।। श्री हरि शरणम्।।

रायसेन से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN/2012/43555

वर्ष - 13 अंक - 162

रायसेन
बुधवार, 10 दिसंबर 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

रायसेन, नर्मदापुरम एवं भोपाल से प्रकाशित

खास बात

विष किसी भी नियत से खाया जाय, विष ही का काम करेगा। कभी अमृत नहीं हो सकता। जवानी दीवानी होती है।

- प्रेमचंद्र

सीएम ने राजनगर में 510 करोड़ के 29 विकास कार्यों का किया भूमिपूजन-लोकार्पण

बुंदेलखंड धरा है हीरों और महावीरों की : मुख्यमंत्री

एक करोड़ 26 लाख से अधिक लाड़ली बहनों को 1857 करोड़ अंतरित

भोपाल ■ प्रतिनिधि

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बुंदेलखंड हीरों और महावीरों की धरती है। यह मंदिरों की नगरी है। उन्होंने कहा कि महाराज छत्रसाल के कार्य काल में बुंदेलखंड की महाविजय होती थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महाराजा छत्रसाल के शौर्य को नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि बुंदेलखंड के गौरव महाराज छत्रसाल की प्रतिमा और सरदार वल्लभ भाई पटेल की प्रतिमा का खजुराहो में अनावरण किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव छतरपुर के राजनगर में लाड़ली बहना सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा कि आज प्रदेश की 1.26 करोड़ से अधिक लाड़ली बहनों को 1857 करोड़ रुपए राशि अंतरित की गई है। इनमें छतरपुर की 3 लाख 24 हजार से अधिक लाड़ली बहनें शामिल हैं। हितग्राहियों बहनों को उनके बैंक खातों में 31वीं किस्त के रूप में 1500 रुपए की सौगात मिली है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना में अब तक 46 हजार 500 करोड़ की राशि बहनों के खातों में अंतरित की जा चुकी है। बहनें अपने परिवार के संचालन में भी सहयोग कर रही हैं। बहनों के आशीर्वाद से राज्य सरकार निरंतर विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से बहनों को पक्के मकान और उज्जवला गैस कनेक्शन भी दिए जा रहे हैं। सीएम ने बुंदेलखंड के चहुँमुखी विकास के लिए 270 करोड़ लागत के 9 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और 240 करोड़ लागत के 20 विकास कार्यों का लोकार्पण किया। इनमें 2 सांदीपनि विद्यालय और स्वास्थ्य संस्थान शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि खजुराहो में बड़ा कन्वेंशन सेंटर और फाइव स्टार होटल बनाया जाएगा। राजनगर में राजगढ़ पैलेस की सौगत मिल रही है। इससे पर्यटन क्षेत्र के विकास को नई गति मिलेगी। बुंदेलखंड के दमोह, छतरपुर, पन्ना और कटनी में 4 मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जायेंगे। केन-बेतवा लिंक परियोजना से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2 नेशनल हाइवे को जोड़ने वाले फोर लाइन सड़क की सौगात दमोह-सागर को मिलने जा रही है। सीएम ने कहा कि सागर में नया इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किया जाएगा। इससे 30 हजार से अधिक लोगों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजनगर में आयोजित लाड़ली बहना सम्मेलन में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण भी किया।

महाराजा छत्रसाल और सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को खजुराहो कन्वेंशन सेंटर के पास स्थित बुदेलखण्ड केसरी महाराजा छत्रसाल बुंदेला और भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की नवनिर्मित प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर केबिनेट के सभी मंत्रीगण सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने छतरपुर प्रवास के दूसरे दिन मंगलवार को विश्व धरोहर स्थल खजुराहो के प्राचीन मतंगेश्वर महादेव मंदिर में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मतंगेश्वर महादेव के दर्शन किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के नागरिकों के कल्याण और सुख समृद्धि की कामना की।

खजुराहो सांसद वी.डी. शर्मा ने कहा कि सीएम बुंदेलखंड के चहुंमुखी विकास में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। राज्य सरकार जो कहती है करके दिखाती है। सरकार ने लाड़ली बहनों के खातों में प्रतिमाह 3000 रुपए भेजने का संकल्प लिया था, जिसे धीरे-धीरे पूरा करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। राजनगर विधायक श्री अरविंद पटेरिया ने कहा कि बुंदेलखंड में 'डेस्टिनेशन कैबिनेट' कर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अनुपम सौगात दी है। पिछले 2 वर्षों में खजुराहो में विकास से संबंधित महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। आज सूखे और पिछड़े बुंदेलखंड को विकास की नई पहचान मिल रही है।

सम्मेलन में पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री दिलीप अहिरवार, विधायक छतरपुर श्रीमती ललिता यादव, विधायक कामाख्या प्रताप सिंह, विधायक राजेश शुक्ला, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती विद्या अग्निहोत्री सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

'नेहरू से लेकर आज तक कांग्रेस ने वंदे मातरम् का विरोध किया'

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को राज्यसभा में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत की। इस दौरान उन्होंने स्वतंत्रता आंदोलन में वंदे मातरम की भूमिका का जिक्र किया। साथ ही उन्होंने विपक्ष पर भी जमकर निशाना साधा। शाह ने कांग्रेस के 1937 के अधिवेशन में वंदे मातरम के आखिरी चार छंदों के इस्तेमाल रोके जाने के प्रस्ताव पर भी बात की और पंडित नेहरू की भूमिका पर कई सवाल उठाए। अमित शाह ने इंडिया गठबंधन यानी विपक्ष पर आरोप लगाया कि संसद में जब भी वंदे मातरम का गान होता है तब उसके कई सदस्य सदन से बाहर चले जाते हैं, जबकि भाजपा के सभी नेता खड़े होकर इसका उचित सम्मान करते हैं।

गृह मंत्री ने कहा कि कल कुछ सदस्यों ने लोकसभा में प्रश्न उठाया था कि आज वंदे मातरम पर चर्चा की जरूरत क्या है। वंदे मातरम पर चर्चा की जरूरत जब वंदे मातरम बना था, तब भी थी, आजादी के समय भी थी, आज भी है और 2047 में जब आधुनिक भारत होगा, तब भी रहेगी। क्योंकि वंदे मातरम में कर्तव्य और राष्ट्रभक्ति की भावना है। तो जिन्हें वंदे मातरम पर चर्चा की वजह समझ नहीं आ रहा, उन्हें नए सिरे से सोचने की जरूरत है। शाह ने आगे कहा, 'जिसकी उद्घोषणा 150 साल पहले बंकिम बाबू ने की, उसका भाव सदियों पुराना है।

एनडीए संसद दल की बैठक में बोले पीएम मोदी

कोई भी कानून नागरिकों पर बोझ न बने, सरकारी सुधारों से जीवन आसान होना चाहिए

नई दिल्ली ■ एजेंसी

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान आज संसद परिसर में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल दलों के सांसदों की बैठक हुई। बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक की शुरुआत में सभी सांसदों ने सामूहिक रूप से पीएम मोदी को सम्मानित किया।

एनडीए संसदीय बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश अब पूर्ण रूप से 'सुधार एक्सप्रेस' के दौर में है, जहां सुधार तेजी से और साफ इरादे से हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देकर कहा कि सरकार के सुधार पूरी तरह से नागरिक-केंद्रित हैं, यह केवल आर्थिक या राजस्व-केंद्रित नहीं है। सूत्रों के अनुसार, इसका लक्ष्य लोगों की रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर करना है ताकि वे अपनी पूरी क्षमता से विकास कर सकें। प्रधानमंत्री ने सांसदों से आग्रह किया कि वे आम लोगों की वास्तविक समस्याओं को सक्रिय रूप से साझा करें, ताकि सुधार एक्सप्रेस हर घर तक पहुंच सके और रोजमर्रा की मुश्किलों को दूर कर सके। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने यह भी कहा कि वह 30-40 पेज के फॉर्म और अनावश्यक कागजी कार्रवाई की संस्कृति को समाप्त करना चाहते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नागरिकों के दरवाजे पर सेवाएं उपलब्ध कराने और बार-बार डेटा जमा करने की आवश्यकता को समाप्त करने की जरूरत है।

एनडीए संसदीय दल की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने जानकारी दी। उन्होंने कहा, आज की बैठक में बिहार चुनावों में एनडीए की जीत के लिए सभी एनडीए नेताओं ने पीएम मोदी को बधाई दी। पीएम मोदी ने सभी एनडीए सांसदों को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों के लिए काम करने का मार्गदर्शन दिया। उन्होंने जनता के जीवन को आसान बनाने और यह सुनिश्चित करने के लिए सभी क्षेत्रों में सुधार करने पर जोर दिया कि उन्हें कोई समस्या न हो। पीएम ने कहा कि कानूनों से लोगों की मदद होनी चाहिए। उन्होंने सांसदों से युवाओं से जुड़ने का आह्वान किया।

सोनिया गांधी को कोर्ट का नोटिस नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के आरोप

नई दिल्ली। कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी के लिए उनका 79वां जन्मदिन कानूनी उलझनों के साथ आया है। जिस दिन वह अपना जन्मदिन मना रही थीं, उसी दिन दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने उन्हें एक पुराने मामले में नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। मामला उनके भारतीय नागरिक बनने से पहले ही वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाने के गंभीर आरोपों से जुड़ा है। कोर्ट ने सोनिया गांधी के साथ-साथ दिल्ली पुलिस को भी नोटिस जारी किया है और मामले की अगली सुनवाई 6 जनवरी 2026 के लिए तय की है।

राष्ट्रपति ने मप्र के भरेवा शिल्पकार बलदेव वाघमारे को किया सम्मानित

मप्र की भरेवा शिल्प कला विरासत को मिली राष्ट्रीय पहचान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

मध्यप्रदेश की पारंपरिक जनजातीय भरेवा शिल्प कला की विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को नई दिल्ली में मप्र के बैतूल जिले के भरेवा शिल्पकार बलदेव वाघमारे को राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार से सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि हाल में भरेवा धातु शिल्प को जीआई टैग भी मिला है। केन्द्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह इस अवसर पर उपस्थित थे।

क्या है भरेवा: स्थानीय बोली में भरेवा का मतलब है भरने वाले। भरेवा कलाकार गोंड जनजाति की एक उप-जाति से संबंधित हैं, जो पूरे भारत में, खासकर मध्य भारत में फैली हुई है। धातु ढलाई का कौशल एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में हस्तांतरित होता रहता है।

भरेवा धातु शिल्प की परंपरा गोंड आदिवासी समुदाय के रीति-रिवाजों और परंपराओं के समानांतर चलती है। यह परंपरा और रीति-रिवाज का मिश्रण है। भरेवा कारीगर देवताओं की प्रतीकात्मक छवियों को गढ़ते हैं। वे गहने भी बनाते हैं जैसे अंगूठियां और कटार, जो गोंड परिवारों में शादी की रस्मों के लिए जरूरी है। कुछ गहने विशेष रूप से आध्यात्मिक प्रमुखों या तांत्रिकों के लिए बनाए जाते हैं जैसे कलाईबंद और बाजूबंद। कंगन की विशेष कारीगरी देखते ही बनती है। इसके अलावा, सजावटी कलाकृतियों और उपयोग की वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला जैसे बैलगाड़ियां, मोर के आकार के दीपक, घंटियां और घुंघरु, दर्पण के फ्रेम कुछ कलाकृतियों ने अंतरराष्ट्रीय शिल्प बाजार में पहचान बनाई है।

भारत के एआई ड्रीम को मिलेगी रफ्तार

1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगा माइक्रोसॉफ्ट, सत्य नडेला का बड़ा ऐलान

नई दिल्ली ■ एजेंसी

माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बुनियादी ढांचे, कौशल और संप्रभु क्षमताओं के निर्माण में मदद के लिए 17.5 अरब डॉलर या 1.5 लाख करोड़ रुपए का निवेश करेगी।

इस क्रम में माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष और सीईओ सत्य नडेला ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। सत्य नडेला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि देश की महत्वाकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए माइक्रोसॉफ्ट 17.5 अरब डॉलर का निवेश कर रहा है, जो एशिया में हमारा अब तक का सबसे बड़ा निवेश है, ताकि भारत के एआई-प्रधान भविष्य के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे, कौशल और संप्रभु क्षमताओं के निर्माण में मदद मिल सके।

इससे पहले अमेरिकी टेक दिग्गज ने जनवरी में भारत में अगले दो वर्षों में क्लाउड और एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 3 अरब डॉलर के निवेश की घोषणा की थी। माइक्रोसॉफ्ट ने कहा कि वह अगले पांच वर्षों में एक करोड़ लोगों को एआई कौशल का प्रशिक्षण देकर देश की दीर्घकालिक प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देगा।

सरकार का इंडिगो पर कड़ा एक्शन

इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 10% की कटौती, सीईओ बोले- हमें माफ कर दो

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने इंडिगो एयरलाइन की उड़ानों में 10% कटौती करने का कड़ा निर्देश दिया है। पिछले हफ्ते क्रू रोस्टर, फ्लाइट शेड्यूल और संचार की कमी जैसे आंतरिक कुप्रबंधन के कारण यात्रियों को हुई भारी असुविधा को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। मंत्रालय का मानना है कि एयरलाइन के संचालन को स्थिर करने और रद्दीकरण की घटनाओं को कम करने के लिए यह कटौती जरूरी है। हालांकि, इस कटौती के बावजूद इंडिगो अपने सभी मौजूदा गंतव्यों पर उड़ानें जारी रखेगी।

60 से ज्यादा फ्लाइट आज भी कैंसिल,

पूरे 1 हफ्ते तक फ्लाइट रद्दीकरण के बाद इंडिगो की उड़ाने अब पटरी पर लौट चुकी हैं। इंडिगो एयरलाइंस के ज्यादातर विमान आसमान में उड़ान भर रहे हैं। हालांकि, इंडिगो ने आज भी 60 से ज्यादा फ्लाइट्स रद करने की घोषणा की है। इंडिगो की वेबसाइट पर मौजूद जानकारी के अनुसार, आज इंडिगो की कुल 67 फ्लाइट्स कैंसिल की गई हैं। इनमें चेन्नई, बेंगलुरु और तिरुवनंतपुरम जैसे एयरपोर्ट्स के नाम शामिल है। वहीं, इंडिगो की लापरवाही के बाद सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है।

रूसी रक्षा मंत्रालय का विमान क्रैश, 7 सदस्य थे सवार

मास्को। रूस के इवानोवो क्षेत्र से एक बड़ी विमान दुर्घटना की खबर सामने आई है। यहां रूसी रक्षा मंत्रालय का एक विशालकाय एएन-22 सैन्य परिवहन विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। यह हादसा मॉस्को से करीब 321 किलोमीटर दूर उत्तर-पूर्व में स्थित फुरमानोव्स्की जिले में हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, हादसे के वक्त विमान में चालक दल के 7 सदस्य सवार थे। दुर्घटना की सूचना मिलते ही इमरजेंसी सर्विस की टीम को मौके पर भेज दिया गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन युद्धस्तर पर जारी है।

पूर्व सीजेआई गवई पर जूता फेंकने वाले वकील की सरेआम धुनाई

नई दिल्ली ■ एजेंसी

देश की राजधानी दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट परिसर में उस वक्त अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब सुप्रीम कोर्ट के पूर्व सीजेआई बी.आर. गवई पर जूता फेंकने वाले आरोपी वकील राकेश किशोर की वकीलों के ही एक समूह ने जमकर पिटाई कर दी। कोर्ट परिसर में मौजूद आक्रोशित वकीलों ने राकेश किशोर को घेर लिया और उन पर चप्पलों की बरसात कर दी। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने बड़ी मशक्कत के बाद बीच-बचाव कर उन्हें भीड़ से बाहर निकाला और सुरक्षित स्थान पर ले गए।

गौरतलब है कि राकेश किशोर ने हाल ही में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान बी.आर. गवई की ओर जूता उछाल दिया था। हालांकि, जस्टिस गवई ने उदारता दिखाते हुए उन्हें माफ कर दिया था, लेकिन इस घटना से वकीलों की बिरादरी में गहरा रोष था। इसी नाराजगी का नतीजा कड़कड़डूमा कोर्ट में देखने को मिला, जहां राकेश किशोर के पहुंचते ही वकीलों का गुस्सा फूट पड़ा और धक्का-मुक्की के साथ उनकी चप्पलों से पिटाई कर दी गई।

ड्रोन कंपनी की 7 मंजिला इमारत में लगी आग; 20 लोग जिंदा जले

जकार्ता। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में मंगलवार दोपहर एक 7 मंजिला कॉमर्शियल बिल्डिंग भीषण आग की चपेट में आ गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। दक्षिण जकार्ता के सेटियाबुडी इलाके में स्थित इस इमारत में हुए हादसे में अब तक 20 लोगों की दर्दनाक मौत की पुष्टि हो चुकी है। मृतकों में 15 महिलाएं और 5 पुरुष शामिल हैं। आग इतनी भयावह थी कि कई शव बुरी तरह जल चुके हैं, जिनकी पहचान के लिए अब प्रशासन को डीएनए टेस्ट का सहारा लेना पड़ेगा।

अंतर्मना उवाच

वे मुर्ख लोग है - जो गुजरे हुए वक्त को खोजते हैं..!

*समय धन से ज्यादा मूल्यवान उनके लिए है जिन्होंने समय की नसीहत को जाना और समझा है। **धन आज है, कल जा भी सकता है और गया हुआ धन, वापिस भी आ सकता है।** लेकिन जो समय हाथ से एक बार निकल गया वह कभी लौट कर वापिस नहीं आयेगा। समय जब बीत जाता है, तब हमें उसके महत्व का एहसास होता है। **जब हम वक्त को यूं ही गुजारते हैं या टाइम पास करते हैं तब दुःख और अफसोस के अलावा हमारे पास कुछ नहीं बचता।***

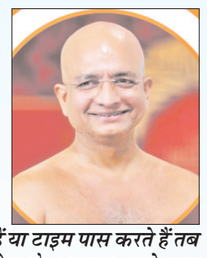

*जो समय का सदुपयोग करता है वह धनवान, बुद्धिमान, और बलवान बन जाता है। **जो समय का सम्मान करता है, समय उसका ज़िन्दगी भर सम्मान कराता है।** इसलिए कहते हैं ना - **समय बड़ा बलवान।** समय के आगे किसी की नहीं चलती। समय राजा को रंक और रंक को राजा बना देता है। इसलिए **कभी सफलताओं पर घमंड नहीं करना चाहिए।***

*हर व्यक्ति के जीवन में अच्छा बुरा वक्त जरूर आता है। इसलिए **अच्छे वक्त में इतराना नहीं, बुरे वक्त में घबराना नहीं। क्योंकि बुरे वक्त की एक अच्छी बात है कि वह भी गुजर जाता है।** यदि हम समय को बर्बाद करते हैं तो कल समय हमें भी बर्बाद कर सकता है। इसलिए **जीवन की सफलता के लिए, समय, श्रम और सकारात्मक सोच का सम्मान करते रहना चाहिए...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

खजुराहो कैबिनेट: बुंदेलखंड क्षेत्र में कृषि, खनिज, व्यापार और पर्यटन गतिविधियों को गति मिलेगी

सागर-दमोह मार्ग चार लेन में बदलेगा, मंत्री परिषद ने 2059.85 करोड़ की परियोजना को दी स्वीकृति

खजुराहो ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को खजुराहो स्थित महाराजा छत्रसाल कन्वेंशन सेंटर में हुई कैबिनेट बैठक में बुंदेलखंड के विकास का नया इंजन बनाने के उद्देश्य से कई ऐतिहासिक फैसले लिए गए। बैठक में औद्योगिक निवेश, सड़क निर्माण, सिंचाई, स्वास्थ्य, रोजगार और वन्यजीव संरक्षण जैसे क्षेत्रों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है। कैबिनेट ने सागर जिले में 'मसवासी ग्रंट' औद्योगिक क्षेत्र के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज को मंजूरी दी। यह पैकेज निवेशकों के लिए बड़ा आकर्षण होगा। इसमें 24,240 करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है। इससे 29,000 से अधिक लोगों को रोजगार मिलेगा। भूमि 1 प्रति वर्गमीटर की दर से उपलब्ध होगी। मसवासी ग्रंट पैकेज से बुंदेलखंड को औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान मिलने की उम्मीद है। निवेशकों को प्रोत्साहित करने के लिए स्टाम्प और पंजीयन शुल्क में 100% प्रतिपूर्ति की स्वीकृति दी गई है। साथ ही, इकाइयों को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू होने की तारीख से पांच वर्षों तक विद्युत शुल्क में छूट दी गई है। वित्तीय सहायता पैकेज के तहत वृहद श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों पर उद्योग संवर्धन नीति 2025 और निवेश प्रोत्साहन योजना 2025 के नियम लागू होंगे, जबकि एमएसएमई इकाइयों के लिए एमएसएमई विकास नीति 2025 और एमएसएमई प्रोत्साहन योजना 2025 के प्रावधान प्रभावी होंगे। सीमेंट निर्माण इकाइयों को इस विशेष वित्तीय सहायता पैकेज का लाभ नहीं मिलेगा। यह विशेष पैकेज आगामी पांच वर्षों के लिए प्रभावशील रहेगा।

सागर-दमोह के बीच 76.68 किमी लंबे चार लेन मार्ग के निर्माण को 2059 करोड़ रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई। यह मार्ग पेव्ड शोल्डर के साथ हाइब्रिड एन्युटी मॉडल पर बनाया जाएगा। इस परियोजना से क्षेत्र में आवागमन आसान होगा और उद्योगों को तेजी से इस परियोजना के निर्माण के लिए वित्तीय लागत 2,059 करोड़ 85 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।

प्रथम बार खंडवा स्टेशन पहुंची हड़पसर ट्रेन का किया स्वागत

सांसद पाटिल की तरफ से ट्रेन के लोको पायलट का जनप्रतिनिधियों ने किया स्वागत

खंडवा ■ निसं

क्षेत्रवासियों को मंगलवार से नई साप्ताहिक ट्रेन संख्या 15589/90 मुजफ्फरपुर हड़पसर एसी एक्सप्रेस की सौगात मिली है। प्रथम आगमन पर ट्रेन के लोको पायलट का पुष्प माला पहना कर स्वागत किया गया।

समाज सेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि ट्रेन संख्या 15589 मुजफ्फरपुर से निकल कर मंगलवार शाम 5.45 बजे खंडवा पहुंची । ट्रेन के प्रथम आगमन पर सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और शहरवासियों की तरफ से ट्रेन के लोको पायलट बीपी राणे और सिद्धार्थ सिंग को पुष्प माला पहना कर और मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया।

सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल ने बताया कि नई ट्रेन के शुरू होने से खासकर पुणे के लिए हमारी ओर से लगातार पुणे के लिए ट्रेनों की बढ़ोतरी की मांग पूरी हुई है। सांसद पाटिल ने क्षेत्रवासियों से नई ट्रेन सुविधा का लाभ लेने की अपील की।

प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि इस अवसर पर स्टेशन पर रेल सलाहकार समिति के सदस्य मनोज सोनी, पूर्व सदस्य एवं प्रवक्ता सुनील जैन, हरीश कोटवाले ,दिनेश पालीवाल जिला महामंत्री सूरज पाल सिंह सोलंकी , गणेश गुरबाणी आशीष चटकले, चंद्रेश पचौरी, तेजेंद्र बॉथम, हेमंत पाटिल,महेश जायसवाल, भरत सोनी, स्टेशन प्रबंधक अरविन्द साहा और राम बाबू आदि मौजूद थे।

मैरिज गार्डन से 11 लाख की चोरी का खुलासा

राजगढ़ की कड़िया सांसी गैंग ने की वारदात, भाई के ससुर के पास छुपाकर रखे थे रुपए

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में अभिनंदन वाटिका से लगुन फलदान में आए 11 लाख रुपए की चोरी का पुलिस ने मंगलवार को खुलासा कर दिया है। चोरी मध्य प्रदेश के राजगढ़ की कड़िया सांसी गैंग ने की थी। वारदात को शिवा सिसोदिया (सांसी) ने एक बालक को साथ लेकर अंजाम दिया था। शिवा ने चोरी किए गए माल को अपने भाई के ससुराल में छुपाया था।

पुलिस ने शिवा के भाई के ससुर को हिरासत में लेकर 7.80 लाख रुपए बरामद कर लिए हैं। फिलहाल पुलिस मुख्य आरोपी और उसके साथ वारदात में शामिल बच्चे की तलाश में लगी है। शेष राशि 3.20 लाख रुपए उनके ही पास है। मैरिज गार्डन से मिले ष्टष्ठङ्कङ्क फुटेज के आधार पर गैंग के सरगना की पहचान हुई जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर यह सफलता पाई है।

लगुन फलदान में आए थे 11 लाख रुपए: ग्वालियर के महाराजपुरा थाना स्थित अभिनंदन वाटिका में 28 नवंबर की रात 12.04 बजे बीएसएफ के रिटायर्ड अधिकारी के बेटे के लगुन फलदान में आए 11 लाख रुपए चोरी हुए थे। चोरी के बाद मैरिज गार्डन में लगे ष्टष्ठङ्कङ्क फुटेज में एक बालक व एक वयस्क व्यक्ति नजर आया था।

जिसके बाद पुलिस टीम लगातार सर्चिंग में लगी थीं। महाराजपुरा थाना प्रभारी यशवंत गोयल व क्राइम ब्रांच निरीक्षक अमित शर्मा के नेतृत्व में टीम काम कर रही थीं। पुलिस ने इसके अलावा अन्य स्पॉट पर लगे ष्टष्ठङ्कङ्क कैमरे खंगाले हैं जिसके बाद पुलिस के पास पर्याप्त सबूत एकत्रित हो गए थे।

मुखबिर ने बताया कि उसके पास एक बैग है। जिसमें ग्वालियर के विवाह वाटिका से चोरी का माल है। पुलिस ने तत्काल घेराबंदी कर दी।

जब पुलिस हनुमान मंदिर पहुंची तो गली में खड़ा व्यक्ति भागने लगा। जिसको घेरकर पकड़ा और पूछताछ की तो उसकी पहचान 50 वर्षीय संतोष सिसोदिया (सांसी) निवासी लक्ष्मीपुरा थाना छबड़ा जिला बारां (राजस्थान) के रूप में हुई। वह फिलहाल टावर कॉलोनी थाना छबडा जिला बारां (राजस्थान) में रह रहा था।

पकड़े गए संदिग्ध के हाथ में एक नीले रंग की पॉलीथिन थी। जिसकी तलाशी ली गई तो उसमें 500-500 के नोट और 200-200 के नोट की गड्डियां मिलीं, जो 7.80 लाख रुपए हैं।

शिवा ने चोरी किए रुपयों में से 7 लाख 80 हजार रुपए छुपाकर रखने के लिए मुझे पॉलिथिन में दिए थे। शिवा ने आज मुझसे रुपए वापस लेने के लिए बोडा हनुमान मंदिर के पास बुलाया था।

सीसीटीवी फुटेज से पहचान, मास्टर माइंड का ससुरा पकड़ा

पुलिस टीम को सीसीटीवी फुटेज व मोबाइल लोकेशन के आधार पर पता लगा कि आरोपी बोड़ा ब्यावरा राजगढ़ मध्यप्रदेश के हैं। जानकारी के आधार पर पुलिस टीम द्वारा आरोपियों की तलाश बोडा ब्यावरा में की गई। 8 दिसंबर को पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि एक संतोष सांसी नाम का व्यक्ति श्री मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर के पास खड़ा है।

पूछताछ में यह हुआ खुलासा

संदिग्ध से गहनता से पूछताछ की गई तो उसने बताया कि मेरे दामाद बंटी सांसी निवासी लक्ष्मीपुरा बारां (राजस्थान) का रहने वाला है। उसका भाई शिवा सिसोदिया पुत्र राजेंद्र उर्फ मटरू सिसोदिया (सांसी) ने करीब 10 दिन पहले एक छोटे बच्चे के साथ मिलकर ग्वालियर में शादी के गार्डन से 11 लाख रुपए चोरी किए थे।

संक्षिप्त समाचार

सीहोर कलेक्टर ने उद्योग प्रतिनिधियों संग की बैठक

सीहोर। सीहोर जिले के प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में संसाधनों की कमी दूर करने और गुणवत्ता सुधारने के लिए मंगलवार को कलेक्ट्रेट में उद्योग प्रतिनिधियों के साथ बैठक हुई। शिक्षा और कौशल विकास से जुड़े प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर बालागुरू के. ने की। उन्होंने उद्योगों की सामाजिक जिम्मेदारी (ष्टस्क्र) के तहत स्कूलों में योगदान बढ़ाने पर बात की। सुझाव दिया कि उद्योग अपने आसपास के सरकारी स्कूलों में डेस्क-बेंच उपलब्ध कराएं, ताकि बच्चों को बेहतर पढ़ाई का माहौल मिले। उद्योग प्रतिनिधियों ने बताया कि वे कई सामाजिक कार्य पहले से कर रहे हैं और प्रशासन के निर्देश मिलते ही तय क्षेत्रों में सहयोग करेंगे। कलेक्टर ने कहा कि जिन युवाओं ने किसी ट्रेड में डिप्लोमा या तकनीकी पढ़ाई की है, उन्हें नजदीकी उद्योगों में प्रशिक्षण देकर रोजगार दिलाया जा सकता है। उद्योगों ने ऐसे युवाओं को कौशल आधारित प्रशिक्षण देने पर सहमति जताई।

सीहोर में जमी ओस, न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री

सीहोर। सीहोर जिले में मंगलवार को कड़ाके की ठंड रही। जिले का न्यूनतम तापमान 6.5 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। ठंड का असर इतना तेज था कि सुबह 5 बजे कई खेतों में ओस की बूंदें जमी हुई देखी गईं। तापमान लगातार 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे बना हुआ है, जिससे लोगों को तेज सर्दी का एहसास हो रहा है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. एस.एस. तोमर ने बताया कि हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में पश्चिमी विक्षोभ के चलते बर्फबारी हो रही है। इसी वजह से वहां से सर्द हवाएं मध्य प्रदेश की ओर आ रही हैं। इन बर्फीली हवाओं के कारण ही जिले के तापमान में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। डॉ. तोमर ने बताया कि आने वाले दिनों में मावठे (शीतकालीन वर्षा) की भी संभावना है।

वी सोमन्ना ने तिरुपति-सांईनगर शिरडी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई

जबलपुर ■ निसं

रेल और जल शक्ति राज्यमंत्री श्री वी सोमन्ना ने तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस का आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हरी झंडी दिखा कर शुभारंभ किया। तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस शुरू किए जाने से कई दूरगामी लाभ होंगे। इससे आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र के बीच रेल संपर्क को काफी मजबूती मिलेगी। यह श्रद्धालुओं के लिए आंध्र प्रदेश की दक्षिण तटीय पट्टी से शिरडी के लिए पहली सीधी ट्रेन सेवा है। यह ट्रेन भारत के दो प्रमुख तीर्थ स्थलों, तिरुपति और शिरडी को सीधे जोड़ कर तीर्थयात्रियों की सुविधा बढ़ाएगी।

इस नई ट्रेन से इसके मार्ग में तीर्थ पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा तथा यह क्षेत्रीय विकास में सहायक होगी। यह यात्रियों को सुरक्षित, आरामदेह और निर्बाध अंतरराज्यीय यात्रा का विकल्प मुहैया कराएगी। इससे तीर्थयात्रियों के समग्र रेल यात्रा अनुभव में वृद्धि होगी। इस साप्ताहिक ट्रेन से तीर्थयात्री निर्बाध यात्रा कर सकेंगे। ट्रेन को एक तरफ की यात्रा पूरी करने में लगभग 30 घंटों का समय लगेगा। वी सोमन्ना ने तिरुपति-साईनगर शिरडी एक्सप्रेस के शुभारंभ को चार राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए एक ऐतिहासिक दिन बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय रेल सिर्फ परिवहन का माध्यम नहीं है। यह देश की जीवन रेखा के रूप में क्षेत्रों और संस्कृतियों को जोड़ती भी है। रेल और जल शक्ति राज्यमंत्री ने कहा कि अब तिरुपति और शिरडी सीधी ट्रेन सेवा से जुड़ गए हैं। यह ट्रेन नेल्लोर, गुंटूर, सिकंदराबाद, बीदर और मनमाड़ समेत 31 महत्वपूर्ण स्थानों पर रुकेगी। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन से तीर्थ पर्यटन और कनेक्टिविटी को बढ़ावा मिलने के साथ ही इसके मार्ग और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी प्रोत्साहन मिलेगा। उन्होंने बताया कि यह ट्रेन महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक और सिकंदराबाद से सीधी कनेक्टिविटी मुहैया कराएगी। अपने मार्ग में यह एक महत्वपूर्ण शैव मंदिर परली वैजनाथ को भी जोड़ेगी।

श्री वी सोमन्ना ने कहा कि आंध्र प्रदेश में 2014 से रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि 2009 से 2014 तक आंध्र प्रदेश और तेलंगाना का साझा औसत रेल बजट 886 करोड़ रुपए का था। यह 11 गुना बढ़ कर 2025-26 में 9417 करोड़ रुपए का हो गया। राज्य में 93000 करोड़ रुपए से ज्यादा की परियोजनाओं पर काम जारी है। आंध्र प्रदेश में 2014 से अब तक 1580 किलोमीटर नई रेल पटरियां बिछाई गईं और 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा किया गया। राज्य में वर्तमान में 73 अमृत स्टेशन हैं। श्री सोमन्ना ने 800 फ्लाईओवरों और पुलों के निर्माण, 110 लिफ्ट और 40 एस्केलेटर लगाए जाने तथा 16 वंदे भारत (8 जोड़ी) और 6 अमृत भारत (3 जोड़ी) ट्रेन सेवाओं की शुरुआत का भी जिक्र किया।

वार्षिक पत्रिका 'सरल' के 6वें अंक का विमोचन

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 17वीं छः माही बैठक संपन्न

जबलपुर ■ निसं

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय-02, जबलपुर की 17वीं छःमाही बैठक दिनांक 09.12.2025 को समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेलवे, श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने कहा कि राजभाषा हिंदी में कार्य करने से पारदर्शिता, दक्षता और जनता से संवाद तीनों में वृद्धि होती है। सभी सदस्य कार्यालय प्रमुख भारत सरकार की राजभाषा नीति के प्रभावी प्रयोग-प्रसार एवं कारगर कार्यान्वयन हेतु अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों को हिंदी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग, जबलपुर द्वारा संचालित हिंदी टाइपिंग एवं आशुलिपि का प्रशिक्षण अवश्य रूप से दिलाएं। उन्होंने समिति सदस्य कार्यालयों को नोटिंग, रिपोर्ट, ई-आफिस, ई-मेल, विविध पोर्टल एवं सोशल मीडिया आदि पर हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग पर जोर देने के निर्देश दिए। इस अवसर पर उन्होंने समिति की वार्षिक राजभाषा पत्रिका 'सरल' के 6वें अंक (राजभाषा विशेषांक) का विमोचन भी किया।

बैठक में उपस्थित श्री एम. एस. हाशमी, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, पमरे ने अपने संबोधन में कहा कि दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रयोग-प्रसार में उत्तरोत्तर प्रगति हो रही है। उन्होंने बताया कि सदस्य कार्यालयों में पत्राचार, नोटशीट, विविध प्रपत्र तथा रिपोर्ट आदि राजभाषा हिंदी में तैयार की जा रहीं हैं। उन्होंने भारत सरकार, गृहमंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 14 एवं 15 सितंबर, 2025 को गांधी नगर, गुजरात में आयोजित 05वें अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन को राजभाषा प्रयोग-प्रसार और कार्यान्वयन हेतु एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

युवक ने खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगाई

एमवाय अस्पताल में उपचार के दौरान तोड़ा दम, कुछ देर पहले परिजनों से हुई थी बात

इंदौर ■ निसं

इंदौर के दिग्विजय नगर मल्टी में रहने वाले एक युवक ने पेट्रोल डालकर आत्मदाह कर लिया। गंभीर रूप से झुलसने पर उसे एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया था, जहां सोमवार रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। द्वारकापुरी पुलिस के अनुसार मृतक सुमित (35) पुत्र मांगीलाल सोलंकी पेशे से मिस्त्री था। रविवार रात करीब 10 बजे उसने अपनी बाइक से पेट्रोल निकालकर कमरे में खुद को आग लगा ली थी। घटना के बाद परिजन उसे अस्पताल ले गए, लेकिन उपचार के दौरान उसने दम तोड़ दिया।

कमरे में ही मौजूद थे पत्नी और बच्चे: घटना के समय सुमित की पत्नी और तीनों बच्चे दूसरे कमरे में थे। छोटी बेटी ने पिता को जलते देखा और तुरंत मां को सूचना दी। सुमित के भाई दीपक ने बताया कि घटना से ठीक पहले करीब 9:30 बजे सुमित से फोन पर बात हुई थी। उसने माता-पिता से बात कर राजेंद्र नगर चोइथराम मंडी के पास घर आने का कहा था। इसके कुछ देर बाद आत्मदाह की खबर मिली।

परिवार ने अभी कर्ज या बीमारी जैसी किसी वजह से इंकार किया है। सुमित के बयान नहीं हो सके थे। पुलिस ने उसका मोबाइल जब्त कर लिया है और आत्मदाह के कारणों की जांच जारी है।

गुटखा कारोबारी, साथियों को 2002 करोड़ का नोटिस

75.67 करोड़ की एक्साइज ड्यूटी भी चुकानी होगी; 1946 करोड़ की टैक्स चोरी की थी

इंदौर ■ निसं

सेंट्रल जीएसटी एंड एक्साइज कमिश्नरेट, इंदौर ने गुटखा कारोबारी किशोर वाधवानी सहित अन्य को दो हजार दो करोड़ का टैक्स डिमांड नोटिस जारी किया है। इसे मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी राशि का टैक्स डिमांड नोटिस बताया जा रहा है। ये नोटिस एलोरा टोबेको, दबंग दुनिया पब्लिकेशन, किशोर वाधवानी, श्याम खेमानी, अनमोल मिश्रा, धर्मेंद्र पीठादिया, राजू गर्ग, मे. शिमला इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, देवेंद्र द्विवेदी, विनायका फिल्टर्ड प्राइवेट लिमिटेड और विनोद बिदासरिया को टैक्स चोरी के मामले में दिया गया है। इनके अलावा रमेश परिहार, टीएएन इंटरप्राइजेस, एसआर ट्रेडिंग, निश्का इंटरप्राइजेज, मे. इंक फ्रूट, मे. एमएन इंटरप्राइजेस, मे. रानी प्रेस प्राइवेट लिमिटेड, जौहर हसन, एनजी ग्राफिक्स एंड ब्लॉक मेकर्स के नाम भी नोटिस में शामिल हैं।

2020 में मारे थे छापे: दरअसल, जून 2020 में सेंट्रल जीएसटी एंड एक्साइज कमिश्नरेट ने इन कंपनियों पर छापामार कार्रवाई की थी। जांच में टैक्स चोरी का आरोप सही पाया गया। कमिश्नरेट ने 151 करोड़ की जीएसटी और 76 करोड़ की एक्साइज ड्यूटी चोरी का नोटिस जारी किया। इसके खिलाफ आरोपियों ने हाईकोर्ट में अपील की। हाईकोर्ट ने उनकी याचिका खारिज करते हुए कहा कि वे जानबूझकर केस को लटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पखवाड़े का भव्य समापन समारोह संपन्न

बुरहानपुर ■ निसं

मप्र पर्यटन बोर्ड प्रदेश में महिला सुरक्षित पर्यटन को लेकर लगातार नवाचार करता आ रहा ,बुरहानपुर में भी पर्यटन बोर्ड सहयोगी संस्थाओं द्वारा कार्य किया जा रहा ,इसी कड़ी में आज जिले में फिफथ डाइमेंशन एकेडमी द्वारा संचालित 'सेव टूरिज्म डेस्टिनेशन फॉर वुमेन' परियोजना के तहत आयोजन बुरहानपुर, 09 दिसंबर 2025 को बुरहानपुर जिले में संचालित महत्वाकांक्षी परियोजना 'सेव टूरिज्म डेस्टिनेशन फॉर वुमेन' के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस पखवाड़े (25 नवंबर से 10 दिसंबर) का आज भव्य समापन समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में लगभग 250-300 पर्यटन सखियाँ एवं विभिन्न स्कूलों की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ता के रूप में एस.आई. श्री सुनील पाटिल, साईबर क्राइम एक्सपर्ट से श्री महेंद्र प्रताप सिंह, जिला अधिवक्ता संघ के सचिव एडवोकेट संतोष देवताले व डी ए.टी.सी.सी बुरहानपुर से श्रीमती राजकुमारी ठाकुर व मोहम्मद नौशाद उपस्थित रहे। सभी वक्ताओं ने 'महिला हिंसा को रोकें - हम कैसे आगे बढ़ सकते हैं' विषय पर अपने प्रेरक विचार साझा किए तथा महिलाओं-बालिकाओं की सुरक्षा एवं सशक्तिकरण पर बल दिया।

संस्थापक श्रीमती माधुरी शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए परियोजना की अब तक की यात्रा, उपलब्धियों एवं भावी योजनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के माध्यम से जिले को महिलाओं के लिए पूर्णत: सुरक्षित पर्यटन स्थल बनाने का संकल्प लिया गया है तथा इसके लिए पर्यटन सखियों का व्यापक प्रशिक्षण, सामुदायिक जागरूकता अभियान एवं पुलिस-प्रशासन के साथ सतत समन्वय किया जा रहा है।

महापौर ने पुनरीक्षण कार्यों की गुणवत्ता में सुधार हेतु अधिकारियों एवं बीएलओ को दिए दिशा निर्देश

नगर में चल रहे एस आई आर के कार्यों का निरीक्षण करने महापौर पहुंची

खंडवा ■ निसं

पूरे प्रदेश में इन दीनों मतदाता सूची के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य किया जा रहा है। खंडवा जिले में भी जिला प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मतदाता शुद्धिकरण का कार्य किया जा रहा है। इस मतदाता सूची के कार्य में जो मतदाता मृत हो चुके हैं उनके नाम मतदाता सूची से कटवाना है और जिन मतदाताओ का नाम 2 से 3 जगह हें उन्हें एक ही सूची में शामिल करना हें। पात्र लोगों को सूची में शामिल करना है और अपात्र लोगों को सूची से बाहर करना है। समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मतदाता सूची के शुद्धिकरण के कार्य में जिला प्रशासन, कलेक्टर वृषव गुप्ता एवं जनप्रतिनिधियों के साथ ही पूरा प्रशासन का अमला लोकतंत्र के इस महत्वपूर्ण कार्य में अपनी भूमिका निभा रहा है, सभी के सहयोग से जिले में एस आई आर का कार्य संतोषजनक है। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मंगलवार को महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव द्वारा नियुक्त बी एल ओ के साथ विभिन्न मंडलों में वार्डों में पहुंचकर मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण किया गया। महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने शहर के विभिन्न मंडलों एवं वार्डों के मतदान केंद्रों पर पहुँचकर मतदाता सूची के विशेष गहन

पुनरीक्षण कार्य का विस्तृत निरीक्षण एवं समीक्षा कि। निरीक्षण के दौरान महापौर ने नाम जोड़ने, हटाने तथा संशोधन से संबंधित प्रक्रियाओं का स्थलीय अवलोकन कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए तथा कार्यों को निर्धारित समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर महापौर अमृता यादव ने कहा कि हमारा देश लोकतंत्र आधारित प्रणाली पर चलता है, और सबसे महत्वपूर्ण रूप से हम देखे तो मतदाता और मतदान हमारे देश के विकास की महत्वपूर्ण कड़ी है, बरसों बाद हो रहे एस आई आर के कार्य में शासन प्रशासन के साथ ही जनप्रतिनिधि भी इसमें सहयोग प्रदान कर व्यवस्थित मतदाता सूची तैयार करवाने का कार्य कर रहे हैं। महापौर ने कहा कि मतदाता सूची का निरीक्षण गहन अभियान शहर की लोकतांत्रिक प्रक्रिया को और अधिक सशक्त पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि मंगलवार को महापौर और एवं पार्टी के पदाधिकारी द्वारा अटल बिहारी वाजपेयी मंडल के संतोषी माता वार्ड 32 बूथ क्रमांक 204, 205, 206, 207, 208 में चल रहे पुनरीक्षण कार्य की प्रगति का अवलोकन कर नामांकन एवं संशोधन कार्यों को सटीकता से पूरा करने के निर्देश दिए। कुशा भाऊ ठाकरे मंडल में महालक्ष्मी माता वार्ड क्रमांक 35 में बूथ क्रमांक : 214, 215, 216, 217, 249 वार्ड क्रमांक 49 में बूथ क्रमांक : 256, 257, 260, 261, आनंद नगर वार्ड बूथ क्रमांक 262, 263, 264, 265 में भी वार्डों में महापौर ने पुनरीक्षण प्रक्रिया की चरणबद्ध समीक्षा करते हुए दस्तावेज़ सत्यापन, नाम जोड़ने तथा अपात्र नामों को हटाने की प्रक्रिया को तीव्र एवं त्रुटिरहित रखने के निर्देश प्रदान किए।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत के विरोध में चक्काजाम

बाइकों की भिड़ंत में हुई थी 4 युवकों की मौत

सागर ■ निसं

सागर-कानपुर हाईवे पर स्थित ग्राम रुरावन के पास सोमवार को बाइकों की भिड़ंत में हुई चार युवकों की मौत मामले में मंगलवार को पुलिस ने बंडा अस्पताल में शवों का पोस्टमार्टम कराया। पीएम के बाद शव परिवार वालों को सौंप दिए गए। शव लेकर परिवार के लोग घरों के लिए रवाना हुए। इसी दौरान दुर्घटना से गुस्साए ग्राम रुरावन के लोगों ने मृतक गौरव का शव सागर-कानपुर हाईवे पर रखकर चक्काजाम कर दिया।

पुलिस के आश्वासन के बाद माने ग्रामीण: वे हाईवे पर दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने फ्लाई ओवर ब्रिज और सर्विस रोड निर्माण और परिवार को सहायता राशि दिलाने की मांग कर रहे थे। चक्काजाम की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा। ग्रामीणों को समझाइश देकर शांत कराया। नियमानुसार कार्रवाई और सहायता दिलाने के आश्वासन के बाद वे माने और चक्काजाम खोला गया। इस दौरान करीब एक घंटे तक चक्काजाम में वाहन फंसे रहे।

2016 में हुए हत्या के प्रयास के एक मामले में सुनवाई पूरी

हत्या के प्रयास के आरोपी को दो साल की सजा

भोपाल ■ निसं

शहर के अशोका गार्डन थाना इलाके में साल 2016 में हुए हत्या के प्रयास के एक मामले में सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने आरोपी राजेश तिवारी को दोषी करार देते हुए 2 साल की सजा के साथ ही 13 हजार रुपए के जुर्माने से दण्डित किये जाने का फैसला सुनाया है।

यह फैसला अपर सत्र न्यायाधीश स्वयं प्रकाश दुबे की कोर्ट ने सुनाया है। कार की टक्कर के लगने के बाद आरोपियो ने धारदार छुरी से पीड़ित पर हमला किया था, इस हमले में पीड़ित की गर्दन और सिर में चोटें आईं थी। इसके बाद जब पीड़ित जान बचाकर भागा तो आरोपी ने पीछे से पीठ पर छुरी मार दी, जिससे वह घायल होकर गिर गया। वारदात के बाद आरोपी ने पीड़ित को जान से मारने की धमकी दी थी।

जानकारी के अनुसार 30 सितंबर 2016 को पीड़ित रिजवान अपने दोस्त शोएब के साथ अशोका गार्डन 80 फीट रोड से रेलवे स्टेशन जा रहा था। रास्ते में विवाद होने पर आरोपी राजेश और उसके दोस्त भूपेंद्र सिंह छावड़ा और आदेश श्रीवास्तव ने मारपीट की थी। रिजवान ने कोर्ट में बताया कि राजेश के हमले के बाद वह बेहोश हो गया था। होश आने पर वह चिरायु अस्पताल में भर्ती था, जहां उसने पुलिस को घटना की जानकारी दी।

पुलिस ने 13 अक्टूबर 2016 को उसके बयान दर्ज किए। उसने बताया कि हमले में उसका दोस्त शोएब भी घायल हुआ था। मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास की धारा में केस दर्ज किया था। पीड़ित की मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को इस धारा से दोषमुक्त किया। इसके बाद धारदार हथियार से हमला करने की धारा में दोषी ठहराया गया। कोर्ट ने आदेश दिया कि 13 हजार रुपए जुर्माने में से अपील की समय-सीमा खत्म होने पर पीड़ित रिजवान को 9 हजार और शोएब को 2 हजार रुपए दिए जाएंगे। वहीं प्रकरण में कोर्ट ने आरोपी के दोस्त भूपेंद्र सिंह छावड़ा और आदेश श्रीवास्तव को बरी कर दिया है।

बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव पर भोपाल में प्रदर्शन

हिन्दू संगठन बोले - बाबर के नाम पर मस्जिद बर्दाश्त नहीं, पुलिस से हुई धक्का-मुक्की

भोपाल ■ निसं

पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद की नींव रखने का हिंदू संगठन विरोध कर रहे हैं। भोपाल में श्री हिंदू उत्सव समिति और संस्कृति बचाओ मंच 2 नंबर स्टॉप पर प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी ने कहा कि अगर मस्जिद बनानी है तो अब्दुल कलाम या अशफाकउल्ला के नाम से बनाएं, बाबर के नाम पर मस्जिद बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

संगठन के कार्यकर्ता बाबर के नाम वाला शौचालय का पोस्टर लेकर पहुंचे थे, जिसे सार्वजनिक शौचालय परिसर में लगाने की तैयारी थी। लेकिन पुलिस ने पोस्टर जप्त कर लिया। इस दौरान पुलिस और संगठन कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बन गई।

मौके पर क्विक रिस्पांस फोर्स के 40 से ज्यादा जवान और 25-30 पुलिसकर्मी तैनात रहे।

हिन्दू संगठनों ने कहा कि बाबरी नहीं यह देश हिन्दू सनातन का है । भगवान राम की कृष्ण की जन्मस्थली है।

संक्षिप्त समाचार

शादी के नाम पर मैरिज ब्यूरो ने लगाई 24 हजार की चपत

भोपाल। छोला मंदिर थाना इलाके में झांसी के एक युवक को मैरिज ब्यूरों चलाने वाले लोगों ने 24 हजार रुपए की चपत लगा दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार झांसी का रहने वाला फरियादी पिंटू साहू निजी काम करता है। कुछ समय पहले उसे मैरिज ब्यूरों का एक पेम्पलेट मिला था। उस पेम्पलेट के आधार पर वह माहोली में स्थित बंधन मैरिज ब्यूरो के कार्यालय पहुंचे। जहां उनकी मुलाकात ब्यूरो संचालक उत्तम सिंह, मैनेजर रोशन खान व अन्य लोगों से हुई थी। पिंटू साहू और उसके परिवार को एक युवती शादी के लिए दिखाई थी। पिंटू साहू और उसके परिवार ने युवती को पसंद कर लिया और बाद में आने की बात भी कही गई थी। शादी कराने के लिए मैरिज ब्यूरों के लोगों ने 24 हजार रुपए भी ले लिए थे। लेकिन बाद में और रकम की मांग करते हुए शादी कराने से इंकार कर दिया। पुलिस ने जॉच के बाद उत्तम सिंह, रोशन सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

सातवीं के छात्र ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

भोपाल। पुराने शहर के तलैया थाना इलाके में बीती दोपहर सातवीं कक्षा की पढ़ाई करने वाले छात्र ने अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। मिली जानकारी के अनुसार खटीकपुरा निवासी अयान पुत्र अरमान (15) कक्षा सातवीं का छात्र था। बीते दिन दोपहर के समय वह घर पर अकेला था। इसी दौरान , उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बाद में परिवार वालो को हादसे की जानकारी लगी इसके बाद मिली सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल की छानबीन के बाद मामला कायम कर मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था। जॉच टीम ने बताया की कमरे की तलाशी लेने के दोरान फिलहाल पुलिस को ऐसा कोई सुराग नहीं मिला है, जिससे खुदकुशी का कारण साफ नहीं हो सका है। आगे की जॉच में पुलिस मृतक छात्र के परिजनों के बयान दर्ज करेगी, जिसके बाद ही सही कारण साफ हो सकेगा, उसके आधार पर ही आगे की कार्यवाही की दिशा तय की जायेगी। उधर खजूरी सड़क पुलिस ने बताया कि इंद्रा आवास में रहने वाली पान बाई पति नारायण (40) बीती शाम करीब 7 बजे महिला की लाश ग्राम तूमड़ा में स्थित खेत में बने कुएं में मिली है। शुरुआती जॉच में परिजनों ने बताया कि वह मानसिक रूप से बीमार थी। पुलिस इस बात की जॉच कर रही है, वह कुंए में कैसे गिरी। फिलहाल मर्ग् कायम कर पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

जीएमसी मेडिकल छात्रों के बीच मारपीट का मामला

भोपाल। गांधी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) ने मेडिकल छात्रों के दो गुट में मारपीट मामले में अपराधिक प्रकरण दर्ज होने के बाद प्रबंधन द्वारा घटना की जानकारी चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेज दी गई है। विभाग को भेजी विस्तृत रिपोर्ट में कॉलेज प्रबंधन ने घटना क्रम का विस्तार से उल्लेख किया है। इस मामले में अब आरोपियों की जांच रैगिंग करने के एंगल पर भी हो रही है। वहीं प्रबंधन द्वारा हॉस्टल के नियम को कड़ा किये जाने का भी निर्णय लिया है। अब हॉस्टल में रहने वाले छात्रों और उनसे मिलने आने जाने वालों पर भी निगरानी रखी जाएगी। जल्द ही कॉलेज की अनुशासन समिति इसे लेकर बैठक आयोजित कर नए नियम निर्धारित करेगी। वहीं इस बात की भी जानकारी जुटाई जायेगी की हॉस्टल में रहने वाले छात्रों को रात में कब तक अंदर बाहर आ और जा सकते हैं। इसका उद्देश्य भविष्य में मेडिकल के छात्रों में इस तरह से मारपीट की घटना होने से रोकना है। गौरतलब है की चार दिसंबर की रात सवा एक बजे जीएमसी के छात्रों के दो गुट के मारपीट में एक छात्र बुरी तरह घायल हो गया था।

भोपाल के जगदीशपुर में 'इस्लाम नगर' लिखने पर हंगामा

माइलस्टोन उखाड़ने पर इकट्ठा हुए लोग; बोले- मूल नाम से छेड़छाड़ मंजूर नहीं

भोपाल ■ निसं

भोपाल के जगदीशपुर में 'इस्लाम नगर' लिखने पर हंगामा हो गया। मंगलवार को बड़ी संख्या में हिंदू उत्सव समिति के पदाधिकारी समेत कई लोग इकट्ठा हो गए। जगदीशपुर लिखा माइलस्टोन उखाड़ने पर उनका गुस्सा और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि मूल नाम से छेड़छाड़ कतई मंजूर नहीं है। दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो। इस दौरान पुलिस ने समझाइश देकर लोगों को शांत किया।

भोपाल से 14 किलोमीटर दूर ऐतिहासिक धरोहर को समेटे खूबसूरत गांव जगदीशपुर है। 17वीं शताब्दी में बने किले को देखने यहां देश-दुनिया के लोग पहुंचते हैं। 31 जनवरी 2003 तक इसका नाम इस्लाम नगर था, जबकि 1 फरवरी-23 से यह फिर से अपने पुराने नाम जगदीशपुर से पहचाना जाने लगा है। केंद्र सरकार ने गांव का नाम जगदीशपुर करने की हरी झंडी दी थी। राज्य सरकार ने भी नोटिफिकेशन जारी कर गांव का नाम बदलकर जगदीशपुर कर दिया था।

कई महीनों तक बोर्ड नहीं बदले

इस्लामनगर का नाम जगदीशपुर होने के बावजूद कई महीनों तक यहां बोर्ड नहीं बदले गए थे। विरोध और हंगामे के बाद बोर्ड बदले गए, लेकिन मंगलवार को लांबाखेड़ा-जगदीशपुर मार्ग पर लगे कई संकेतक बोर्डों पर जगदीशपुर की जगह 'इस्लाम नगर' लिखे जाने और एक मस्जिद के समीप स्थित किलोमीटर मीटर बोर्ड के क्षतिग्रस्त पाए जाने की घटना ने स्थानीय क्षेत्र में भारी आक्रोश पैदा कर दिया। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग और हिंदू संगठनों ने मौके पर पहुंचकर इस कृत्य के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया।

इस्लाम नगर का नाम जगदीशपुर होने पर वहां के लोगों ने जमकर जश्न मनाया था। इस दौरान गांव के लोगों ने आतिशबाजी की। एक-दूसरे को मिठाई खिलाई और बधाई दी थी। साथ ही ढोल ही नगाड़ों की थाप पर झूमते नजर आए थे।

प्रदर्शनकारियों की यह मांग

- सभी बोर्डों को मूल नाम 'जगदीशपुर' में तत्काल बहाल किया जाए।
- क्षतिग्रस्त किलोमीटर मीटर बोर्ड की मरम्मत की जाए।
- प्रकरण की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

यह जनभावनाओं से खिलवाड़ है: तिवारी: जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष चंद्रशेखर तिवारी, देवलखेड़ी सरपंच अजय सैनी, राजेश शर्मा सहित सैकड़ों लोगों ने ने कहा कि क्षेत्र के ऐतिहासिक और मूल नाम से छेड़छाड़ किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं है। यह केवल नाम बदलने का मुद्दा नहीं, बल्कि जनभावनाओं से खिलवाड़ है।

एसआईआर जांच रिपोर्ट में खुलासा

35 दिनों में 8.13 लाख मृत मतदाता चिह्नित, 10.37 लाख नाम काटने की तैयारी

भोपाल ■ निसं

मध्यप्रदेश में मतदाता सूची फ्रीज किए जाने के बाद चल रही एसआईआर जांच में अपडेट सामने आया है। पिछले 35 दिनों में 8 लाख 13 हजार से अधिक मतदाता मृत पाए गए हैं, जिनके नाम 16 दिसंबर को जारी होने वाली प्रारूप मतदाता सूची से हटाए जाएंगे। इसके अलावा 2 लाख 43 हजार 603 मतदाताओं के नाम अलग-अलग सूचियों में डबल मिले हैं, जिन्हें एक सूची में रखकर अन्य से हटाया जाएगा। इस तरह अब तक की प्रक्रिया में कुल 10 लाख 37 हजार 137 नाम काटने की स्थिति बन गई है। हालांकि यह संख्या अभी बढ़ या घट सकती है।

चुनाव आयोग के निर्देश पर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय सभी जिलों में एसआईआर प्रक्रिया तेजी से करवा रहा है और दिन में तीन बार कलेक्टरों से रिपोर्ट ले रहा है। 27 अक्टूबर को वोटर लिस्ट फ्रीज होने के बाद 4 नवंबर से एसआईआर का कार्य शुरू हुआ था, जिसका प्रारूप परिणाम 16 दिसंबर को प्रकाशित होगा। अभी शिफ्टेड मतदाताओं की सूची प्राप्त नहीं हुई है, जो प्रकाशन से पहले स्पष्ट की जाएगी।

फार्म नहीं भरा तो कट सकता है वोट

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी कार्यालय ने स्पष्ट किया है कि जिन मतदाताओं को एसआईआर फार्म मिला है, उन्हें 2003 की एसआईआर के आधार पर परिजनों/खुद की जानकारी देना अनिवार्य है। यदि कोई मतदाता बीएलओ के लगातार प्रयासों के बाद भी फार्म जमा नहीं करता, तो उसका नाम भी 16 दिसंबर की सूची से हटाया जा सकता है। संयुक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी आरपीएस जादौन ने अपील की है कि सभी मतदाता समय रहते फार्म जमा करें, ताकि नाम कटने की स्थिति से बचा जा सके। सूत्रों के अनुसार जबलपुर और सागर में मृत मतदाताओं की संख्या सबसे ज्यादा, जबकि सीहोर और पन्ना में सबसे कम पाई गई है। हालांकि आयोग ने इन आंकड़ों को अभी आधिकारिक रूप से सार्वजनिक नहीं किया है।

नशे में धुत्त सुरक्षा गार्ड ने महिला सहित उसके दो बेटो पर किया जानलेवा हमला

कुल्हाड़ी लेकर फ्लैट तक पहुंचा, दरवाजे पर किये वार

- खिड़कियों के शीशे और पार्किंग में खड़ी तीन कारों के कांच फोड़ डाले
- बेटों पर पेचकस से वार कर किया घायल

भोपाल ■ निसं

नये शहर के कोलार थाना इलाके में स्थित प्रियंका नगर में सोमवार देर रात उस समय हंगामा मच गया जब नशे में हालत में मल्टी का सुरक्षा गार्ड एक महिला और उसके दो बेटों पर जानलेवा हमला करते हुए कुल्हाड़ी लेकर उनके फ्लैट तक जा पहुंचा। आरोपी गार्ड ने फ्लैट के दरवाजे पर वार कर उसमें छेद कर दिया इतना ही नहीं उसने खिड़कियों के शीशे सहित पार्किंग में खड़ी तीन कारों के कांच भी फोड़ डाले। आधी रात को हुई घटना से मल्टी में हड़कंप मच गया सुरक्षा गार्ड की हरकते देख कई परिवार वाले अपने घरों में बाहर ही नहीं निकले वहीं आसपास के फ्लैट वालो ने अपने दरवाजे बंद कर भीतर ही छिप कर रहे। जानकारी के अनुसार घटना की शिकायत करते हुए कंचन ठारवानी (57) ने पुलिस को बताया कि रात करीब साढ़े दस बजे सुरक्षा गार्ड विकास शराब के नशे में गाली-गलौच करते चिल्लाचोट कर रहा था। काफी देर तक गालियों की आवाजे आने पर जब महिला और उसके दोनो बेटों राहुल और मानव ने उसे समझाईश देते हुए हंगामा न करने को कहा तब वह उन पर ही भड़क गया। आरोपी ने पेंचकस से दोनों के साथ हाथ-मुक्को से मारपीट करने के साथ ही पेचकस से उनके चेहरे और हाथ पर वार कर घायल कर दिया। बेटो का खून बहता देख महिला अपने बेटों को लेकर फ्लैट में चली गई।

इसके बाद आरोपी कुल्हाड़ी लेकर पीछे-पीछे उनके फ्लैट पर पहुंच गया और पुलिस में रिपोर्ट करने पर जान से मार डालने की धमकी दी। आरोपी के हाथ में कुल्हाड़ी देखकर आसपास के लोगो का बाहर निकलने का साहस हुआ। और देर रात तक बिल्डिंग में दहशत बनी रही। बाद में सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने घायलों का मेडिकल कराने के बाद आरोपी गार्ड के खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज कर सकी गिरफ्तारी के प्रयास शुरु कर दिये है।

भोपाल मंडल ने टिकट चेकिंग के दौरान आठ माह में 4.16 लाख मामलें पकड़े, 26.70 करोड़ का राजस्व अर्जित

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल रेल प्रबंधक श्री पंकज त्यागी के मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक श्री सौरभ कटारिया के निर्देशन में यात्री गाड़ियों एवं स्टेशनों पर समय-समय पर चलाए गए टिकट जांच अभियानों में चालू वित्तीय वर्ष के अप्रैल से नवम्बर 2025 तक कुल 4.16 लाख मामले पकड़े और अतिरिक्त किराया एवं जुर्माना सहित कुल 26 करोड़ 70 लाख रूपए का राजस्व अर्जित किया है। जबकि केवल नवम्बर माह कि बात करें तो भोपाल मण्डल के टिकट निरीक्षकों ने टिकिट जाँच अभियान से बिना टिकिट/अनबुक्ड लगेज/अनियमित टिकिट लेकर यात्रा करने वालों के विरुद्ध 52,560 प्रकरण से रेलवे ने 3 करोड़ 42 लाख रुपये का जुर्माना यात्रियों से वसूल किया है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि बिना टिकट यात्रा ना करें। उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें, ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा ना हो। वाणिज्य विभाग एवं आरपीएफ के समनव्य से पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल यात्रियों को सुरक्षित यात्रा कराने के उद्येश्य से ट्रेनों में टिकट चैकिंग अभियान आगे भी चलाये जाते रहेंगे।

एम्स पार्किंग में इंजीनियर की कार से चोरी करने वाले बेसुराग

भोपाल ■ निसं

बाग सेवनियां थाना क्षेत्र स्थित एम्स अस्पताल की पार्किंग से साफ्टवेयर इंजीनियर की कार को निशाना बनाकर लैपटॉप, दो चार्जर, हैडफोन, अंगूठी व कपड़े चोरी करने वाले आरोपी का फिलहाल पुलिस को कोई ठोस सुराग नहीं लगा है। घटना बीती 4 दिसंबर तब की है, जब फरियादी रेटिना कार्यक्रम देखने एम्स पहुंचे थे। पुलिस ने इंजीनियर की शिकायत कि जांच के बाद अज्ञात आरोपी के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। मामले में पुलिस जहॉ पार्किंग में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर अज्ञात आरोपी की पहचान जुटाने के प्रयास कर रही है। वहीं क्षेत्र में इस तरह की वारदातो को अंजाम देने वाले आरोपियो सहित निगरानी शुदा बदमाशो को भी थाने तलब कर पूछताछ की जा रही है। पुलिस के मुताबिक कोलार निवासी अटल तिवारी (27) ने लिखित शिकायती आवेदन देते हुए बताया कि वो मुंबई की एक कंपनी में साफ्टवेयर इंजीनियर है। 4 दिसंबर को वह रेटिना कार्यक्रम देखने एम्स पहुंचे थे। अपनी कार उन्होंने पार्किंग में खड़ी की थी। वह कार्यक्रम देखकर रात को लौटे तो देखा कि कार में रखा उनका बेग गायब था। चोरी गए बेग में लैपटॉप, दो चार्जर, अंगूठी और कपड़े रखे थे। फरियादी का कहना है कि पार्किंग में कार खड़ी करते समय वह कार की खिड़की का कांच पूरी तरह बंद करना भूल गए थे। अनुमान है, कि इसी कांच से हाथ डालकर कार का गेट खोलकर बदमाश ने अंदर रखा सामान चुरा लिया।

मुंबई में मॉडलिंग करने वाला युवक भोपाल में एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार

- ड्रग, कीमती मोबाइल सहित साढे तीन लाख का माल बरामद
- पूछताछ के बाद होगा नेटवर्क का खुलासा

भोपाल ■ निसं

राजधानी भोपाल की क्राइम ब्रांच पुलिस ने बड़ी कार्यवाही करते हुए लाखो कीमत के 11.5 ग्राम एमडी ड्रग्स के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से दो कीमती मोबाईल फोन सहित 3 लाख 45 हजार का माल जप्त किया गया है।

एडीसीपी क्राइम ब्रांच शैलेन्द्र सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया की टीम को शहर में अवैध मादक पदार्थ तस्करों की तलाश के दौरान मुखबिर ने सूचना मिली की ईदगाह हिल्स शाहजहांनाबाद इलाके में एक निर्माणाधीन बिल्डिंग में एक युवक एमडी ड्रग्स लेकर खड़ा है। वह युवक इस ड्रग्स को बेचने के लिये ग्राहक का इंतजार कर रहा है। खबर मिलते ही क्राइम ब्रांच टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी करते हुए संदेही युवक को धर दबोचा।

तलाशी लेने पर उसके पास से 11.5 ग्राम एमडी ड्रग, दो कीमती मोबाइल फोन सहित 3 लाख 45 हजार का माल बरामद हुआ। पकड़े गए आरोपी ने अपनी पहचान शिफत उर्फ सेफ उर्फ अली उर्फ राजा पिता दिलशाद अहमद उर्फ बल्लू (25) निवासी ग्राम रन्नौद थाना रन्नौद जिला शिवपुरी के रुप में बताई। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट का मामला कायम कर पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया।

आरोपी ने टीम को बताया की वह मुंबई में रहकम मॉडलिंग करता है। फिलहाल पुलिस टीम आरोपी से एमडी ड्रग्स के बारे में आगे की पूछताछ कर रही है। वहीं सूत्रो के अनुसार आरोपी ने पुलिस को बताया है, कि वह दो दिन पहले इंदौर से एमडी खरीदकर उसे बेचने के लिये भोपाल आया था। पुलिस इस बात की जानकारी जुटा रही की उसने इंदौर में कहॉ और किससे यह नशीला पदार्थ खरीदा है। जॉच में सामने आया की आरोपी के खिलाफ पूर्व में भी मारपीट के मामला दर्ज है।

प्रथम अंतरराष्ट्रीय मैक्समूलर अलंकरण संतोष चौबे को

भोपाल ■ निसं

वरिष्ठ कवि-कथाकार, निदेशक, विश्व रंग एवं रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्री संतोष चौबे को साझा संसार, नीदरलैंड्स के 'प्रथम अन्तरराष्ट्रीय मैक्समूलर अलंकरण-2025' से सम्मानित किया गया है। श्री संतोष चौबे को वैश्विक स्तर पर हिंदी भाषा, साहित्य, संस्कृति एवं कला के उन्नयन हेतु सर्वोत्तम योगदान के लिए यह अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्रदान किया गया।

चयन समिति में लुडविका शम्बरो (इटली), मेरियन रिडर्स, मेटा स्ट्रेफलांड (अमेरिका), रने होफ (नीदरलैंड्स) एवं पेट्रा फूरन (स्विट्जरलैंड) शामिल थे। इसके अलावा रामा तक्षक (नीदरलैंड्स), हर्षिता वाजपेयी (अमेरिका), मनीष पांडे (बेल्जियम) राजेंद्र शर्मा (भारत), शिवांगी शुक्ला (नीदरलैंड्स), विनीता तिवारी (भारत) एवं लीलाधर मंडलोई (भारत) भी चयन प्रक्रिया में शामिल रहे। यह अंतरराष्ट्रीय अलंकरण राजस्थान के जाट बहरोड़ गाँव में आयोजित भव्य 'राठ रंग महोत्सव' में साझा संसार फाउंडेशन, नीदरलैंड्स के अध्यक्ष श्री रामा तक्षक तथा श्री बलवीर सिंह छिल्लर अध्यक्ष राठ क्षेत्र द्वारा प्रदान किया गया। इस अवसर पर मंच पर इलेक्ट्रॉनिकी आपके लिए की कार्यकारी संपादक डॉ. विनीता चौबे, वरिष्ठ कवि श्री लीलाधर मंडलोई विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि कवि-कथाकार, उपन्यासकार, संपादक और अनुवादक संतोष चौबे अपने अभिनव रचनात्मक प्रकल्पों और नवाचारों के लिए वैश्विक स्तर पर एक विशिष्ट पहचान रखते हैं। उन्होंने हिन्दी भाषा और भारतीय संस्कृति के प्रसार के उद्देश्य से अंतरराष्ट्रीय 'विश्वरंग' महोत्सव की वर्ष 2019 में भोपाल से शुरुआत की जिसके आज 65 से अधिक सदस्य देश हैं। विश्व रंग 'मॉरीशस' के बाद हाल ही में उन्होंने श्रीलंका, मुंबई और भोपाल में विश्व रंग का सातवाँ भव्य आयोजन कर हिंदी के वैश्विक विस्तार की जमीन तैयार की है। संतोष चौबे को सिंगापुर में 'विश्व हिंदी शिखर सम्मान- 2024' और फ्रांस में प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय 'भारत गौरव सम्मान-2024', लंदन में 'वातायन यू.के. अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मान 2023' और अमेरिका के प्रतिष्ठित संस्थान द्वारा 'लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड-2023 से सम्मानित किया गया है। संतोष चौबे को कविता (कहीं और सच होंगे सपने) के लिए मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् का दुष्यंत कुमार पुरस्कार, आलोचना (कला की संगत) के लिए स्पंदन आलोचना सम्मान, अनुवाद (मास्को डायरी) के लिए मध्यप्रदेश राष्ट्रभाषा प्रचार समिति का पुरस्कार एवं उपन्यास (जलतरंग) के लिए शैलेश मटियानी तथा अन्तरराष्ट्रीय वैली ऑफ वर्ड्स पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। समग्र साहित्यिक अवदान के लिए उन्हें राष्ट्रीय दुष्यंत अलंकरण, शिवमंगल सिंह सुमन सम्मान' एवं अखिल भारतीय ब्रह्मदत्त तिवारी स्?मृति सम्मान-2024' से अलंकृत किया गया है। इस अवसर पर प्रथम मैक्समूलर अंतरराष्ट्रीय अलंकरण-2025' के लिए संतोष चौबे को 'विश्व रंग' फाउंडेशन, टैगोर अंतरराष्ट्रीय हिंदी केंद्र, प्रवासी भारतीय साहित्य एवं संस्कृति शोध केंद्र, टैगोर विश्व कला एवं संस्कृति केंद्र, रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय, समस्त वनमाली सृजन केंद्रों तथा साहित्य, कला संस्कृति की सहयोगी संस्थाओं द्वारा शुभकामनाएं दी गई।

अनमोल वचन

प्रत्येक शिशु एक संदेश लेकर आता है कि भगवान मनुष्य को लेकर हतोत्साहित नहीं है।
रविन्द्रनाथ टैगोर

कबिरा आप ठगाइये, और न ठगिये कोय। आप ठगे सुख होत है, और ठगे दुख होय?
कबीर

मोहन के विरासत से विकास मंत्र से अब बुंदेलखंड को मिलेगी नई रफ्तार

हर्षवर्धन पान्डे

> मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद संभालते ही प्रदेश के हर क्षेत्र को समान रूप से विकसित करने का संकल्प लिया है। डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही बुंदेलखंड को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा। बुंदेलखंड क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षा और पिछड़ेपन का दंश झेलता आ रहा था, अब मोहन के नेतृत्व में एक नई उड़ान भरने को तैयार है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जब से प्रदेश की कमान संभाली है, तब से उनकी कार्यशैली और दूरदर्शिता ने पूरे देश का ध्यान खींचा है। जल की कमी, खराब सड़कें और औद्योगिक पिछड़ापन दशकों से बुंदेलखंड की सबसे बड़ी त्रासदी रहे हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पद संभालते ही प्रदेश के हर क्षेत्र को समान रूप से विकसित करने का संकल्प लिया है। डॉ. मोहन यादव ने सत्ता संभालते ही बुंदेलखंड को अपनी प्राथमिकता सूची में सबसे ऊपर रखा। बुंदेलखंड क्षेत्र, जो दशकों से उपेक्षा और पिछड़ेपन का दंश झेलता आ रहा था, अब मोहन के नेतृत्व में एक नई उड़ान भरने को तैयार है।

बुंदेलखंड की सबसे बड़ी समस्या जल संकट रहा है। इसे प्राथमिकता देते हुए मोहन सरकार ने अपने कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति दी है। एक तरफ केन-बेतवा लिंक परियोजना को अभी तेजी से आगे बढ़ाया जा रहा है वहीँ दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, दमोह और सागर जिलों में कई सिंचाई योजनाओं को मंजूरी दी गई है। इसी प्रकार नदियों और तालाबों के जीर्णोद्धार के साथ-साथ जल संग्रहण संरचनाओं का निर्माण भी तेज हुआ है। पिछले दो वर्षों में सरकार ने न केवल केंद्रीय योजनाओं को गति दी, बल्कि राज्य स्तर पर अभूतपूर्व प्रयास किए हैं। 2024 में केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना सरीखी राष्ट्रीय परियोजना को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने केंद्र और राज्य स्तर पर समन्वय स्थापित कर तेजी से आगे बढ़ाया है। इस परियोजना से बुंदेलखंड के 13 जिलों में 10.62 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा मिलेगी। आने वाले दिनों में नर्मदा-सोनार लिंक परियोजना भी बुंदेलखंड के लिए वरदान साबित होगी जिससे यहाँ का जलसंकट हमेशा के लिए दूर हो जाएगा। सोनार नदी को नर्मदा से जोड़ने का सर्वे जल्द शुरू होगा। इससे बुंदेलखंड की सूखी नदियां कभी न सूखेंगी और क्षेत्र की धरती पहले से कहीं अधिक उपजाऊ बनेगी। इसी तरह से पार्वती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना और ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना भी बुंदेलखंड के पानी के संकट को समाप्त कर देंगी। महाराष्ट्र के साथ एमओयू पर हस्ताक्षर हो चुके हैं जिससे बुंदेलखंड के समूचे अंचल में पेयजल और सिंचाई की समस्या हल हो जाएगी।

बुंदेलखंड की भौगोलिक स्थिति ऐसी रही है कि यहां पहुंचना हमेशा चुनौतीपूर्ण रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इसका कायाकल्प करने की ठानी दशकों से सूखा और पिछड़ापन इस क्षेत्र की पहचान बने थे अब इस क्षेत्र में पिछले डेढ़ वर्षों में सड़क, रेल और हवाई संपर्क ने अभूतपूर्व विकास किया है। ख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुंदेलखंड को कनेक्टिविटी की नई गति दी है। सागर-दमोह-कटनी-लखनादौन को जोड़ने वाली चार लेन सड़क परियोजना को मंजूरी हो या टीकमगढ़ से सागर तक नई रेल लाइन और छतरपुर-टीकमगढ़-झांसी रेल लाइन का विस्तार कनेक्टिविटी में अब बुंदेलखंड किसी भी तरह से पीछे नहीं है। खजुराहो,दतिया सागर और ग्वालियर एयरपोर्ट के उन्नयन और नए हवाई अड्डों की कार्ययोजना ने बुंदेलखंड की हवाई कनेक्टिविटी को मजबूत किया है। डेढ़ दशक से रुके प्रोजेक्ट अब रिकॉर्ड समय में पूरे हो रहे हैं। बुंदेलखंड की कनेक्टिविटी बेहतर होने से यहाँ पर्यटन, उद्योग और रोज़गार के नए द्वार खुल रहे हैं। बेहतर कनेक्टिविटी होने से यहाँ पर अब परियोजनाएं न केवल आवागमन को आसान बनाएंगी, बल्कि पर्यटन और व्यापार को भी बढ़ावा देंगी।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरदर्शिता और दृढ़ संकल्प ने बुन्देलखंड में शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र में कई ऐतिहासिक पहल की हैं। चिकित्सा महाविद्यालयों में एमबीबीएस और पीजी मेडिकल सीटों की संख्या में वृद्धि से लेकर तकनीकी रूप से उक्त स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार तक राज्य ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। एक तरह जहाँ पन्ना, दमोह और टीकमगढ़ में नए मेडिकल कॉलेज शुरू हुए हैं वहीँ सागर में कैंसर हॉस्पिटल की घोषणा के साथ ही हर जिले में उच्च स्तरीय शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना जैसे कदम बुंदेलखंड के युवाओं को को घर के पास ही अच्छी शिक्षा और इलाज की सुविधा देंगे।प्रधानमंत्री मोदी के विकसित भारत के मिशन के साथ कदम से कदम मिलाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुंदेलखंड को शिक्षा, स्वास्थ्य क्षेत्र को सशक्त बनाने के लिए जो कार्य कर रहे हैं, वे आने वाले वर्षों में बुंदेलखंड की सूरत को बदलकर रख देंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुंदेलखंड को निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य बनाने पर जोर दे रही है। इसी कड़ी में सागर में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किया जा चुका है। प्रदेश में औद्योगिक विकास को प्रोत्साहित करना और निवेशकों को आकर्षित करना इस आयोजन का मुख्य लक्ष्य था। इस कॉन्क्लेव में लगभग 23,000 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए और 27,800 से अधिक रोजगार के अवसर पैदा हुए। डिफेंस कॉरिडोर के तहत टीकमगढ़ और झांसी में कई बड़े प्रोजेक्ट पर कार्य प्रगति पर है वहीँ खजुराहो, ओरछा, पन्ना टाइगर रिजर्व और चंदेरी के पर्यटन सर्किट को विश्वस्तरीय बनाने की कार्ययोजना पर राज्य सरकार काम कर रही है। बुंदेलखंड एक्सप्रेस-वे जैसे बड़े प्रोजेक्ट से यह क्षेत्र दिल्ली-मुंबई इंडस्ट्रियल कॉरिडोर से जुड़ेगा जिससे स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और पलायन की समस्या कम होगी।

विरासत से विकास के अपने मिशन और सांस्कृतिक धरोहरों को नई ऊंचाइयों पर ले जाते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अगुवाई में राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक 8 - 9 दिसंबर को खजुराहो में आयोजित होगी। यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल के रूप में विख्यात खजुराहो की प्राचीन मंदिर वास्तुकला और चंदेल राजवंश की अमर विरासत के बीच होने वाली यह बैठक न केवल प्रशासनिक समीक्षा का मंच बनेगी, बल्कि विरासत से विकास के संकल्प को मजबूत करने का प्रतीकात्मक संदेश भी देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरासत भी और विकास भी के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में यह कदम मध्य प्रदेश सरकार की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पूर्व की बैठकों में बार-बार जोर दिया है कि राज्य का विकास प्राचीन गौरव को नष्ट किए बिना ही संभव है। पचमढ़ी और इंदौर जैसी पिछली कैबिनेट बैठकों की तर्ज पर खजुराहो में भी सांस्कृतिक पुनरुत्थान और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर के संयोजन पर विशेष फोकस होगा। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए और स्थानीय कारीगरों के लिए कौशल विकास योजनाओं पर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। यह आयोजन न केवल प्रशासनिक दक्षता को परखेगा, बल्कि मध्य प्रदेश को विरासत से विकास की मिसाल के रूप में स्थापित करेगा।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का बुंदेलखंड के प्रति विशेष लगाव और संवेदनशीलता साफ दिखाई देती है। वे स्वयं अधिकारियों को समय-सीमा में इस इलाके की कई परियोजनाएं पूरी करने के निर्देश दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की दूरगामी सोच और त्वरित निर्णय लेने की शैली ने यह विश्वास जगाया है कि अब बुंदेलखंड पिछड़ापन का पर्याय नहीं रहेगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में यह क्षेत्र न केवल मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए विकास का नया मॉडल बनेगा।

सम्पादकीय

75 साल बाद संसद में वंदे मातरम की राजनीति?

नई पीढ़ी जानेगी वंदे मातरम का इतिहास, मां किसी से भेदभाव नहीं करती स्वतंत्र भारत की संसद में 75 वर्षों के बाद 'वंदे मातरम' पर हुई चर्चा पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए एक राजनीतिक प्रयास के रूप में शुरू हुई। वंदे मातरम की यह चर्चा एक गीत या नारे तक सीमित नहीं रही। यह बहस प.बंगाल के चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण, उसकी सांस्कृतिक चेतना और एकता के भाव को समझने का अवसर भी बन गई। संसद में सभी राजनीतिक दलों और सभी सांसदों ने एकजुट होकर वंदे मातरम के पक्ष में बढ़-चढ़कर अपने विचार व्यक्त किये।वंदे मातरम सिर्फ एक गीत नहीं है। बल्कि वह स्वर है, जिसने भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान करोड़ों लोगों के हृदय में देशभक्ति की ज्योति जगाई थी। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत आज भी राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। इसके बोल हर किसी को राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत कर देते हैं।संसद में इस विषय पर हुई चर्चा का सबसे बड़ा महत्व यह है, नई पीढ़ी को वंदे मातरम के ऐतिहासिक महत्व को जानने और समझने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी सोशल मीडिया और तकनीक की दुनिया में व्यस्त है। ऐसे विषय पर संसद में जो सार्थक बहस हुई है। वर्तमान पीढ़ी को सोशल मीडिया के माध्यम से बेहतर तरीके से स्वतंत्रता के इतिहास और वर्तमान में प.बंगाल के चुनाव में इस नारे का क्या महत्व है। यह जानने का अवसर मिलेगा। युवा पीढ़ी यह जान सकेगी राष्ट्र की पहचान केवल वर्तमान से नहीं, बल्कि उसके गौरवपूर्ण अतीत से भी बनती है। अंग्रेजों की फूट डालो और राज करो की नीति को इस नारे ने विफल कर दिया था। धर्म, भाषा, प्रांत, गरीब और अमीर सब इस नारे से प्रभावित होकर स्वतंत्रता संग्राम में कूद पड़े थे। संसद में बहस के दौरान यह बात भी उभरकर सामने आई।'मां' किसी से भेदभाव नहीं करती है। वंदे मातरम में जिस मां की वंदना की गई है। वह भारत माता है।जो अपने सभी बच्चों को बिना किसी भेदभाव के समान दृष्टि से देखती है। चाहे वह किसी भी भाषा, धर्म, जाति या किसी भी क्षेत्र से हो। यह गीत किसी एक वर्ग, समुदाय या धर्म का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का है। वंदे मातरम को संकीर्ण नजरिये से देखना ना केवल इसके भाव को सीमित करता है। बल्कि राष्ट्रीय एकता अखंडता और भारतीय संस्कृति को भी चोट पहुंचाता है। हाल के वर्षों में वंदे मातरम को लेकर समय-समय पर राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़े होते रहे हैं। कुछ राजनीतिक दल पश्चिम बंगाल की विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए, वंदे मातरम के 150 वर्ष पूर्ण होने पर इसे विवाद का विषय बना रहे हैं। संसद में जिस तरह से सभी राजनीतिक दलों ने स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में वंदे मातरम के इस नारे ने स्वतंत्रता की जो लो आम जनमानस के बीच में जगाई थी। सबने बढ़ चढ़कर इस नारे के औचित्य को समझाया।संसद में हुई बहस ने यह स्पष्ट किया, देशभक्ति किसी पर थोपी नहीं जा सकती है, अभिव्यक्ति के माध्यम अलग-अलग भी हो सकते हैं। यह दिल से उपजने वाली भावना है। वंदे मातरम का सम्मान करना और उसके भाव को समझना सभी नागरिक अच्छी तरह से जानते हैं। कोई भी अपनी जन्मभूमि को छोड़ना नहीं चाहता है। हां अभिव्यक्ति के तरीके जरूर अलग-अलग हो सकते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के पहले इसे विवाद का विषय बनाना दुर्भाग्यपूर्ण है। आज जरूरत इस बात की है, हम वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय प्रतीकों को राजनीति से ऊपर उठकर देखें। यह गीत सारे भारत को एक साथ जोड़ता है। इसका एक-एक शब्द सारे भारत का प्रतिनिधित्व करता है। संसद में हुई बहस नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की भूमिका, संघर्ष और राष्ट्रीय चेतना से जोड़ने में संसद की यह चर्चा सार्थक साबित होगी। वंदे मातरम के नारे का जन्म पश्चिम बंगाल से हुआ था। स्वतंत्रता संग्राम में इसके नारे देश के सभी प्रांतों मे गूंजे। दुनिया में सैकड़ो रामायण विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित हुई हैं। सब में अलग-अलग तरीके से राम का वर्णन किया गया है। ठीक उसी तरह स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन में वंदे मातरम गीत को प्रत्येक भाषा में अलग-अलग तरह से इसे विभिन्न बोल और विभिन्न भाषाओं में अलग-अलग संगीत की धुन में गाया गया है। वंदे मातरम में प्रत्येक गीत और संगीत में एक सा भाव है। वंदे मातरम के इस नारे से हमने स्वतंत्रता पाई है। अंग्रेजों के फूट डालो और राज करो की नीति को सफल नहीं होने दिया। जैसे ही इस नारे ने भारत को एकजुट किया। अंग्रेजों को देश छोड़कर भागना पड़ा। संसद में वंदे मातरम विषय पर जो बहस हुई है। प्रत्येक सांसद ने वंदे मातरम के पक्ष में बड़ी मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा। वंदे मातरम को लेकर जो राजनीति पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव के तारतम्य में प्रयास किया जा रहा है। उसमें कितनी सफलता मिलेगी, यह तो भविष्य ही तय करेगा। संसद में जिस तरह से सांसदों ने वंदे मातरम को लेकर ऐतिहासिक तथ्य प्रस्तुत किए हैं। संसद में हुई बहस ने नई पीढ़ी को स्वतंत्रता संग्राम के आंदोलन और वंदे मातरम के महत्व को समझाने में जरुर मदद की है। प. बंगाल में धार्मिक ध्रुवीकरण का जो प्रयास वंदे मातरम के माध्यम से करने के प्रयास को कितनी सफलता मिलेगी? यह कहना मुश्किल है।

मानवाधिकारः वैश्विक मानचित्र पर स्याह धब्बे और उम्मीद की किरणें

दिलीप कुमार पाठक

> मानव अधिकारों को लेकर आज का दिन काफ़ी अहम हो जाता है क्योंकि 10 दिसम्बर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। साल 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर की को विश्व मानवाधिकार दिवस तय किया। 65 वर्ष से पहले हुआ पारित विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है।

शांति केवल वहीं कायम रह सकती है जहां मानवाधिकारों का सम्मान किया जाता है, जहां लोगों को भोजन मिलता है, और जहां व्यक्ति और राष्ट्र स्वतंत्र हैं - दलाई लामा दुनिया में मानवाधिकारों की स्थिति चिंताजनक है, जहाँ आधुनिक दासता, संघर्षों में उल्लंघन, अभिव्यक्ति पर रोक और भेदभाव जैसे मुद्दे बढ़ रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद ताइवान में यौन उत्पीड़न कानून और बुयुकाडा मानवाधिकार रक्षकों की रिहाई जैसी कुछ सकारात्मक बदलाव भी देखने को मिले हैं, जिससे पता चलता है कि मानवाधिकारों के लिए वैश्विक स्तर पर जागरूकता और संघर्ष जारी है द्य दुनिया के कई हिस्सों में सरकारों द्वारा असहमति की आवाजों को दबाने और नागरिक स्वतंत्रता पर प्रतिबंध लगाने के मामले बढ़े हैं। नस्ल, रंग, लिंग, जातीयता, धर्म, या अन्य स्थिति के आधार पर भेदभाव अभी भी व्यापक रूप से मौजूद है, जिससे कमजोर आबादी प्रभावित हो रही है।

मानव अधिकारों को लेकर आज का दिन काफ़ी अहम हो जाता है क्योंकि 10 दिसम्बर, 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र जारी कर प्रथम बार मानवाधिकार व मानव की बुनियादी मुक्ति पर घोषणा की थी। साल 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर की को विश्व मानवाधिकार दिवस तय किया। 65 वर्ष से पहले हुआ पारित विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर है, जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। मानवाधिकार का मतलब किसी भी इंसान की ज़िंदगी, आज़ादी, बराबरी और सम्मान का अधिकार है द्य भारतीय संविधान इस अधिकार की न सिर्फ़ गारंटी देता है, बल्कि इसे तोड़ने वाले को कानून सजा भी देता है। मानव अधिकारों के बारे में जानना ज़रूरी हो जाता है जैसे -हर इंसान को जीवन, स्वतंत्रता, समानता और सम्मान का अधिकार है। भारत में 28?सितंबर?1993 को मानव अधिकार अधिनियम लागू हुआ। 12?अक्टूबर?1993 को सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग बनाया। इस आयोग का काम नागरिक-राजनीतिक अधिकारों के साथ-साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों की देख-रेख करना है। इसमें बाल-मज़दूरी, एचआईवी/एड्स, स्वास्थ्य, भोजन, बाल-विवाह, महिला अधिकार, हिरासत में मौत, अल्पसंख्यकों, अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार आदि शामिल हैं। इन सभी अधिकारों को बचाना और उनका सम्मान सुनिश्चित करना आयोग का मुख्य लक्ष्य है।

हर इंसान को शिक्षा, स्वास्थ्य, काम, घर, संस्कृति, खाना और मनोरंजन जैसी बुनियादी चीज़ों का अधिकार है-इन्हें ही विश्व मानवाधिकार घोषणा में बताया गया है। लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में बहुत गरीबी है, और यही गरीबी बहुत सारे लोगों को उनके बुनियादी अधिकारों से दूर रखती है। इन जगहों पर बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं की ज़रूरतें अक्सर पूरी नहीं हो पातीं। साथ ही, नस्लवाद और जाति-भेद भी मानवाधिकारों की रक्षा में बड़ी रुकावट बनते हैं। सरल शब्दों में: गरीबी और भेदभाव लोगों को उनका हक नहीं मिलने देते।

मानव के जन्म लेने के साथ ही उसके अस्तित्व को बनाये रखने के लिए कुछ अधिकार उसको स्वत: मिल जाते हैं और वह उनका जन्मसिद्ध अधिकार होता है। इस दुनिया में प्रत्येक मनुष्य के लिए अपनी बुनियादी ज़रूरतों को पूरा करने के लिए अधिकार एक मनुष्य होने के नाते प्राप्त हो जाता है। चाहे वह अपने हक के लिए बोलना भी जानता हो या नहीं। एक नवजात शिशु को दूध पाने का अधिकार होता है और तब वह बोलना भी नहीं जानता। लेकिन माँ उसको स्वयं देती है और अगर नहीं देती है तो उसके घरवाले, डॉक्टर सभी उसको इसके लिए कहते हैं, क्योंकि ये उस बच्चे का हक है और ये उसे मिलना ही चाहिए। एक बच्चे के अस्तित्व को बनाये रखने के लिए ये ज़रूरत सबसे अहम होती है। लेकिन उसके बड़े होने के साथ-साथ उसके अधिकार भी बढ़ने लगते हैं। बच्चे के पढ़ने-लिखने और अपनी परवरिश आदि के लिए उसको समुचित सुविधाएँ और वातावरण देना भी ज़रूरी अधिकारों में आता है। उन्हें आत्म-सम्मान के साथ जीने के लिए, अपने विकास के लिए और आगे बढ़ने के लिए कुछ हालात ऐसे चाहिए, जिससे की उनके रास्ते में कोई व्यवधान न आये। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं। सिर्फ इतना ही नहीं, इस दिशा में आयोग के अतिरिक्त कई एनजीओ भी काम कर रहे हैं और साथ ही कुछ समाजसेवी लोग भी इस दिशा में अकेले ही अपनी मुहिम चला रहे हैं। मानवाधिकार दिवस सिर्फ एक तारीख नहीं है, बल्कि यह मानवता के लिए एक प्रेरणा है। यह हमें याद दिलाता है कि हर व्यक्ति को बिना किसी भेदभाव के समान अधिकार मिलना चाहिए। मानवाधिकारों की रक्षा करना और इसे बढ़ावा देना सभी का कर्तव्य है, ताकि हम एक न्यायपूर्ण और समान समाज का निर्माण कर सकें।

(लेखक पत्रकार हैं)

लोगों के अधिकारों की सुरक्षा के हो सकारात्मक प्रयास

रमेश सर्राफ धमोरा

हम 10 दिसंबर को मानवाधिकारों का उत्सव मनाते है। उस दिन की स्मृति में जब संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1948 में मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाया था। यह घोषणा हमारे समाजों के मानवाधिकार ढांचे की रीढ़ है, जहां हममें से प्रत्येक को बिना किसी भेदभाव के शांति और सुरक्षा के साथ रहने और फलने-फूलने का अधिकार है। 1950 में संयुक्त राष्ट्र ने हर वर्ष की 10 दिसम्बर को विश्व मानवाधिकार दिवस मनाना तय किया था। 75 वर्ष पहले पारित हुआ विश्व मानवाधिकार घोषणा पत्र एक मील का पत्थर हैं। जिसने समृद्धि, प्रतिष्ठा व शांतिपूर्ण सह अस्तित्व के प्रति मानव की आकांक्षा प्रतिबिंबित की है। आज यही घोषणा पत्र संयुक्त राष्ट्र संघ का एक बुनियादी भाग है। 10 दिसंबर 2025 को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक प्रतिज्ञाओं में से एक मानव अधिकारों की सार्वभौम घोषणा की 77वीं वर्षगांठ है। 2025 में मानवाधिकार दिवस की थीम हमारी रोजमर्रा की अनिवार्यताएं, तीन सरल सत्यों पर जोर देती हैं। मानवाधिकार सकारात्मक हैं, मानवाधिकार आवश्यक हैं, और मानवाधिकार प्राप्य हैं। मानव अधिकार वे मूल अधिकार हैं जो इस धरती पर प्रत्येक व्यक्ति के पास हैं। मानवाधिकार मौलिक अधिकार और स्वतंत्रता हैं। मानवाधिकारों में जीवन और स्वतंत्रता का अधिकार, गुलामी और यातना से मुक्ति, राय और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, काम और शिक्षा का अधिकार और बहुत कुछ शामिल हैं। बिना किसी भेदभाव के हर कोई इन अधिकारों का हकदार है। भारत का स्वतंत्रता आंदोलन मानवाधिकारों के लिए प्रेरणा का एक बड़ा स्रोत रहा है। कुछ अधिकार ऐसे होते है जो व्यक्ति को जन्मजात मिलते है। उन अधिकारों का व्यक्ति के आयु, प्रजातीय मूल, निवास-स्थान, भाषा, धर्म पर कोई असर नहीं पड़ता। देश के विशाल आकार व विविधता तथा सम्प्रभुता सम्पन्न धर्म-निरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणतंत्र के रूप में इसकी प्रतिष्ठा तथा एक भूतपूर्व औपनिवेशिक राष्ट्र के रूप में इसके इतिहास के परिणामस्वरूप भारत में मानवाधिकारों की परिस्थिति एक प्रकार से जटिल हो गई है। भारत का संविधान मौलिक अधिकार प्रदान करता है जिसमें धर्म की स्वतंत्रता भी अंतर्भूक्त है। संविधान की धाराओं में बोलने की आजादी के साथ-साथ कार्यपालिका और न्यायपालिका का विभाजन तथा देश के अन्दर एवं बाहर आने-जाने की भी आजादी दी गई है। भारतीय परिदृश्य में यह समझ पाना थोड़ा मुश्किल हैकि क्या वाकई में मनुष्य के लिए चिन्हित किये गए मानवाधिकारों की सार्थकता है। भारत में 28 सितम्बर 1993 से मानव अधिकार कानून अमल में आया। 12 अक्टूबर 1993 में सरकार ने राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग का गठन किया। आयोग के कार्यक्षेत्र में नागरिक और राजनीतिक के साथ आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार भी आते हैं। जैसे बाल मजदूरी, स्वास्थ्य, भोजन, बाल विवाह, महिला अधिकार, हिरासत और मुठभेड़ में होने वाली मौत, अल्पसंख्यकों और अनुसूचित जाति और जनजाति के अधिकार। पूरे विश्व में इस बात को अनुभव किया गया है और इसीलिए मानवीय मूल्यों की अवहेलना होने पर वे सक्रिय हो जाते हैं। इसके लिए हमारे संविधान में भी उल्लेख किया गया है। संविधान के अनुच्छेद 14, 15, 16, 17, 19, 20, 21, 23, 24, 39, 43, 45 देश में मानवाधिकारों की रक्षा करने के सुनिश्चित हैं। कहने में मानवाधिकार शब्द बहुत बड़ा है। क्योंकि मानवाधिकारो से हर व्यक्ति का हित जुड़ा होता है।

खास बात

मुर्शिदाबाद में बावरी मस्जिद का निर्माण?

क्रिया की प्रतिक्रिया होती है। अयोध्या में बाबरी मस्जिद गिराई गई थी। उसके जवाब में पश्चिम बंगाल के मुस्लिम विधायक जो अभी टीएमसी में थे। उन्होंने मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया। टीएमसी की नेता ममता बनर्जी ने उन्हें पार्टी से बाहर निकाल दिया। मुस्लिम विधायक जी खुद की पार्टी बनाकर 135 सीटों पर चुनाव लड़ने और बावरी मस्जिद बनवाने की जिद पर अड़े हुए हैं। पश्चिम बंगाल विधान सभा चुनाव के पूर्व वह इस तरह की ताल ठोक रहे हैं। तो क्या हुआ भाजपा की बी टीम बनने जा रहे हैं। राजनीतिक हलको में कहा जा रहा है। पश्चिम बंगाल में एक नए ओवैसी का जन्म हो रहा है। भाजपा को पश्चिम बंगाल में एक ऐसे ही मुस्लिम नेता की जरूरत थी। जो उन्हें मिल गया है। मुस्लिम वोटो में सेंध लगाने का काम विधायक हुमायूं कबीर करेंगे। इसका विश्वास बीजेपी को है।

रूस-चीन और अमेरिका के लिए भारत एक बाजार?

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत को एक बाजार के रूप में देखा जा रहा है। इस बाजार पर अमेरिका चीन और रूस की नजर है। सभी अपने लिए भारत को एक बड़ा बाजार देख रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीनों देशों मे जो होड लगी है। उसमें भारत एक मोहरा बनकर रह गया है। भारत के प्रधानमंत्री 140 करोड़ की आबादी को बाजार मानते हैं। जल्द से जल्द, ज्यादा से ज्यादा लाभ कमाने के चक्कर में, तीन नावों पर सवारी भारत कर रहा है। जिसके कारण भारत की स्थिति दिनों दिन दयनीय होती जा रही है। तीनों देश भारत को ब्लैकमेल करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहे हैं। तीन नावों की सवारी में भारत अपने आप को कैसे सुरक्षित रखेगा यह चर्चा का विषय बन गया है।

मोदी राज में इंडिगो का आकाश पर कब्जा?

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था। अब भारत में हवाई चप्पल पहनने वाला भी हवाई जहाज में यात्रा कर पाएगा। पिछले कुछ वर्षों में 65 फ़ीसदी आकाश में इंडिगो का कब्जा हो गया है। 25 से 30 फ़ीसदी आकाश में टाटा का कब्जा हो गया है। भारत में 7000 की टिकट 1लाख तक में बिक रही है। मुनाफाखोरी मे हवाई कंपनियों की मोनोपोली बन गई है। सरकार चुपचाप तमाशा देख रही है। इस मुनाफाखोरी में सरकार का भी हिस्सा होगा? तभी तो चुपचाप तमाशा देख रही है। अब हवाई चप्पल वाले क्या हवाई जहाज मे यात्रा कर पाएंगे? अब तो पैसे वाले भी हवाई यात्रा करने मे सोचने लगे हैं। इंडिगो ने जो जलवा दिखाया है। उसके बाद कुछ भी कहना सुनना बेमानी है। सरकार कहती कुछ और है और होता कुछ और है।

डॉलर के मुकाबले रुपये का गिरना अब अच्छा है?

जब देश में मनमोहन सिंह की सरकार थी। उस समय डॉलर के मुकाबले रुपया 58 के स्तर पर पहुंच गया था। तब नरेंद्र मोदी कहते थे, डॉलर के मुकाबले रुपया गिरने से प्रधानमंत्री और देश की इज्जत गिर रही है। अब जब रुपया 90 के पार हो गया है। तब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण कह रही हैं, यूपीए सरकार के समय स्थिति कुछ और थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में अब स्थिति कुछ और है। तब रुपए का गिरना खराब था, अब रुपए का गिरना अच्छा हो गया है। लोग समझ नहीं पा रहे हैं, सरकार बदल जाने से क्या अर्थव्यवस्था के नियम बदल जाते हैं या पर उपदेश कुशल बहुतेरे, उपदेश हमेशा दूसरों के लिए होते हैं स्वयं के लिए नहीं।

चिंतन-मनन

चैतन्य रहें

एक बार दो देवताओं में विवाद हो गया कि भाग्य बड़ा है या पुरूषार्थ विवाद हर व्यक्ति के मन में पैदा होता है, चाहे मनुष्य हो, चाहे देवता हो। निश्चित हुआ, परीक्षा करें। एक देवता ने कहा- देखो! भाग्य बड़ा नहीं होता, पुरूषार्थ बड़ा होता है। दूसरे ने कहा- नहीं! उस आदमी को देखो। तुम्हें साक्षात् प्रमाणित करूंगा कि पुरूषार्थ बड़ा नहीं होता, भाग्य बड़ा होता है। पति-पत्नी जा रहे थे। देवता ने रास्ते के बीच रत्नों का ढेर लगा दिया। रत्न ही रत्न बिखेर दिए। जब आस-पास आए, पत्नी ने कहा- अभी तो हमारी आंखे अच्छी हैं, हम देख सकते हैं, हमें सब कुछ दिखाई देता है। कभी ऐसा भी हो सकता है कि बुढ़ापा आने के साथ-साथ हमारी आंखें चली जाएं, हम अन्धे हो जाएं। फिर काम कैसे चलेगा पति ने कहा - परीक्षा कर लें। देखें, कैसे काम चलेगा दोनों ने आंखों पर पट्टी बांध ली। दोनों चले। जहां रत्न बिखरे हुए पड़े थे, ढेर लगा था आस-पास में, उससे आगे निकल गए। कुछ आगे जाकर पति बोला- आंखो के बिना काम तो चल जाएगा, ऐसी कोई बात नहीं है। खोल लो पट्टी। पट्टी खोल ली। देवता ने कहा - देखा तुमने! भाग्य में नहीं था, कुछ नहीं मिला। भाग्य बड़ा है पुरूषार्थ से। भाग्य और पुरूषार्थ की चर्चा को हम छोड़ दें किन्तु इस बात को हम नहीं छोड़ेंगे कि जब तक आंख पर मूर्च्छा की पट्टी बंधी हुई है, तब तक हमारे आस-पास में, हमारे सामने, दाएं-बाएं, चारों तरफ जो सम्पदा बिखरी पड़ी है, उसका हमें कुछ भी पता नहीं चलता। हम उस सम्पदा से अनजान रह जाते हैं।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, पौष कृष्ण पक्ष, हेमंत रितु गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पूर्वे तिथी, षष्ठी बुधवासरे, अश्लेषा नक्षत्रे, वैश्य योगे, गरकरणे, सिंह की चंद्रमा, भद्रा 30/31 रवियोग 30/25 तथापि पूर्व दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान तथा ठेकेदार, जंगल विभाग का ठेकेदार, वक्ता, अधिवक्ता, शासक, प्रशासक, उद्योगपति, उद्योग स्थापना करने वाला, उत्तम वृत्ति वाला, नीति निपुण, स्वाभिमानी तथा वक्ता, प्रवक्ता होगा।

मेष राशि- मनोबल उत्साहवर्धक रहे, कार्य गति में सुधार, शुभ समाचार अवश्य ही मिलेंगे।

वृष राशि- कुछ बाधाएं, कष्ट, उदर विकार, स्त्री शरीर कष्ट, कारोबार में बाधा अवश्य ही बनेगी।

मिथुन राशि- कार्य कुशलता से संतोष, परिश्रम सफल होगा, स्त्री वर्ग से सुख अवश्य ही होगा।

कर्क राशि- कुटुम्ब की समस्याएं सुलझे, सुख शांति में समय व्यतीत होगा, समय का ध्यान रखे।

सिंह राशि- परिश्रम से समय पर सोचे कार्य पूर्ण होगे, व्यावसायिक क्षमता अनुकूल होगी।

कन्या राशि- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास होवे, आशानुकूल सफलता से हर्ष बिगड़े, कार्य बन जाएगे।

तुला राशि- कार्यगति उत्तम चिन्ताएं कम होगी, प्रभुत्व एवं प्रतिष्ठा अवश्य ही बनेगी।

वृश्चिक राशि- योजनाएं फलीभूत होगी, सतर्कता से कार्य अवश्य निपटा ले, कार्य अवश्य होगा।

धनु राशि- आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्यगति उत्तम, भावनाएं संवेदनशील अवश्य रहेगी।

मकर राशि- अधिकारी वर्ग से तनाव, क्लेश व मानसिक अशांति, कार्य अवरोध अवश्य ही होगा।

कुंभ राशि- मनोबल बनाए रखे, किन्तु हाथ में कुछ न लगे, नया कार्य अवश्य प्राप्त होगा।

मीन राशि- दैनिक कार्य गति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बनेगा, विचार भेद समाप्त होंगे

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

10 दिसम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	07.01 बजे से
चंद्र	सिंह में	मकर	09.06 बजे से
मंगल	धनु में	कुंभ	10.53 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	12.26 बजे से
गुरु	मिथुन में	मेष	13.56 बजे से
शुक्र	वृश्चिक में	वृष	15.36 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	17.34 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	19.48 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	22.04 बजे से
राहुकाल	12.00 से 1.30 बजे तक	कन्या	00.16 बजे से
		तुला	02.27 बजे से
		वृश्चिक	04.41 ब.से

बुधवार 2025 वर्ष का 344 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास पौष (दक्षिण भारत में मृगशीर्ष) **पक्ष** कृष्ण
तिथि षष्ठी 13.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मघा 02.45 बजे रात्र को समाप्त।
योग वैधृति 12.46 बजे को समाप्त।
करण वणिज 13.47 बजे तदनन्तर विष्टि 01.46 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 19.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 22° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872554
जूलियन दिन 2461019.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 18

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
लाभ	05.54 से	07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44	बजे तक
काल	08.15 से	10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47	बजे तक	चर	10.16 से	11.47	बजे तक
रोग	11.47 से	01.16	बजे तक	रोग	11.47 से	01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44	बजे तक	काल	01.19 से	02.51	बजे तक
चर	02.44 से	04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

शिवालिक रेंज में वीवीआईपी कब्ज़ों की गहन जांच ज़रूरी: चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुग ने कांग्रेस पर राजनीतिक और आर्थिक भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए सीबीआई जांच की मांग की है। तरुण चुग ने यहां मीडिया से कहा कि नवजोत कौर सिद्धू ने पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखजिंदर रंधावा पर राजस्थान में कांग्रेस के विधानसभा टिकट बेचने का आरोप लगाया है। यह बेहद गंभीर आरोप है और इसकी जांच आवश्यक है, क्योंकि यह गांधी परिवार के नेतृत्व वाली कांग्रेस में भारी भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। चुग ने कहा कि खुद गांधी परिवार के कुछ सदस्य भ्रष्टाचार मामलों में जमानत पर हैं, इसलिए नवजोत कौर द्वारा लगाए गए आरोपों की विस्तृत जांच होनी चाहिए। चुग ने शिवालिक रेंज में सरकारी और वन भूमि पर अवैध कब्ज़ों को लेकर पंजाब में एक नया भ्रष्टाचार अध्याय सामने आने की बात कही। उन्होंने कहा कि पंजाब की जनता यह जानना चाहती है कि जब नवजोत कौर ने इतने गंभीर पर्यावरणीय और भूमि घोटाले की बात कही, तो कांग्रेस ने उन्हें निलंबित करके कौन-सा सच छिपाने की कोशिश की। चुग ने कहा कि नवजोत कौर सिद्धू का आरोप है कि शिवालिक की तराई में हज़ारों एकड़ संरक्षित भूमि पर वीवीआईपी अवैध रूप से कब्ज़ा किए हुए हैं, जबकि यह भूमि पंजाब लैंड प्रीजर्वेशन एक्ट और वन कानूनों के तहत संरक्षित है। चुग ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इन अवैध कब्ज़ों को वैध करने की कोशिश में लगे हैं, जो सीधे-सीधे पर्यावरण और पंजाब के खिलाफ अपराध होगा। उन्होंने कहा कि शिवालिक क्षेत्र पर्यावरण की दृष्टि से अत्यंत संवेदनशील है, इसलिए किसी भी तरह की वैधता को तुरंत जांच के दायरे में लाया जाना चाहिए।

एसिड अटैक: भारत सहित कई देशों में महिलाएं हो रही शिकार

कोलंबिया। दुनिया में एसिड अटैक एक गंभीर और जलंवत समस्या है। भारत, यूके, बांग्लादेश, युगांडा और कोलंबिया इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित हैं। महिलाओं पर हमले अधिक होते हैं। कानून को कड़े करने और समाज की सोच बदलने और पीड़ितों के सुरक्षा उपाय अपनाने की जरूरत है। एसिड अटैक ऐसा अपराध है जो किसी भी देश, किसी भी समाज की तस्वीर बिगाड़ देता है. यह न सिर्फ चेहरे को जलाता है, बल्कि जिंदगी भर का घाव देता है। रिपोर्ट यह बताती है कि दुनिया के कई देशों में यह समस्या कितनी बड़ी है। रिपोर्ट के मुताबिक पांच देश हैं, जहां एसिड अटैक के मामले सबसे ज्यादा दर्ज हुए हैं। यूनाइटेड किंगडम में 2022 में 710 मामले दर्ज हुए। भारत में हर साल करीब 614 मामले होने का अनुमान है। बांग्लादेश में 2002 में 400 मामले दर्ज किए गए थे, जो उस समय वहां की सबसे बड़ी संख्या थी। युगांडा में 1985 से 2011 के बीच 382 मामले दर्ज हुए। कोलंबिया में हर साल लगभग 100 मामले दर्ज होते हैं। बात दें कि भारत में 2018 में आधिकारिक तौर पर 228 मामले दर्ज हुए थे। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि असल संख्या इससे कई गुना ज्यादा है। यहां ज्यादातर पीड़ित महिलाएं और लड़कियां होती हैं।

म्यांमार में 3.7 तीव्रता का भूकंप

नेपीडॉ (म्यांमार)। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में सोमवार-मंगलवार की मध्य रात्रि को भूकंप के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 3.7 दर्ज की गई है। भारत के राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के मुताबिक, 09 दिसंबर 2025 को म्यांमार में मध्य रात्रि एक बजकर 21 मिनट (भारतीय समयानुसार) पर 3.7 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र जमीन से 30 किमी की गहराई पर था। इससे पहले सोमवार को दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। पहले सुबह 10 बजकर 18 मिनट पर 3.8 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। भूकंप का केंद्र जमीन से 80 किमी की गहराई पर था। इसके बाद दोपहर 3 बजकर 46 मिनट पर 3.5 तीव्रता का भूकंप आया था। भूकंप का केंद्र जमीन से 10 किमी की गहराई पर था। उल्लेखनीय है कि म्यांमार चार टेक्टोनिक प्लेटों (भारतीय, यूरेशियन, सुंडा, बर्मा) के बीच स्थित होने के कारण भूकंप और सुनामी के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है।

भाजपा बंगाल की संस्कृति से पूरी तरह अनजान : ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने लोकसभा में सोमवार को दिए गए भाषण में वंदे मातरम के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम-दा' कहकर संबोधित करने को 'अज्ञानता और अनादर' बताया। मंगलवार को कूचबिहार में आयोजित जनसभा में ममता ने कहा कि यह बंगाल की संस्कृति और इतिहास का अपमान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सोमवार को संसद सत्र के दौरान प्रधानमंत्री ने बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय को 'बंकिम दा' कहा। जैसे श्याम-दा या हरी-दा कहा जाता है। बंकिम चंद्र, जिन्होंने देश का राष्ट्रीय गीत लिखा, उनके लिए यह संबोधन किसी भी तरह सम्मानजनक नहीं है। देश की जनता के सामने सिर झुकाना भी कम पड़ेगा। यह संस्कृति और इतिहास पर चोट है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह' समारोह के उद्घाटन अवसर पर कहा

हस्तशिल्प संस्कृति का वाहक और आजीविका का आधार है

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने मंगलवार को यहां कहा कि हस्तशिल्प हमारी संस्कृति के वाहक हैं और साथ ही, आजीविका का एक महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं।

राष्ट्रपति ने आज यह बात नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में सात दिवसीय (08-14 दिसंबर) 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प सप्ताह' समारोह की उद्घाटन के दौरान कही। उन्होंने अपनी अनूठी कारीगरी और नवाचार से देश की कलात्मक विरासत को समृद्ध रखने वाले कुशल शिल्पकारों, डिज़ाइनरों, स्टार्ट-अप्स और नवप्रवर्तकों शिल्पकारों को वर्ष 2023 और 2024 के लिए 36 'राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार' और 12 'शिल्प गुरु पुरस्कार' देकर सम्मानित किया। इनमें 02 डिज़ाइन और नवाचार पुरस्कार (कारीगर-डिज़ाइनर सहयोग) शामिल हैं। पुरस्कार विजेताओं में 20 महिला कारीगर हैं।

इस मौके पर केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह, कपड़ा राज्यमंत्री पबित्र मार्गेरिटा, वस्त्र मंत्रालय की सचिव नीलम शामी राव और विकास आयुक्त हस्त शिल्प अमृत राज सहित अन्य अधिकारीगण, कारीगर, उद्योग प्रमुख, निर्यातक, डिजाइनर उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुर्मु ने कहा, 'हस्तशिल्प पारंपरिक रूप से कमज़ोर वर्गों के लोगों को सहायता प्रदान करता रहा है। यह क्षेत्र न केवल कारीगरों को आजीविका का साधन प्रदान करता है, बल्कि उनकी कला उन्हें समाज में पहचान और सम्मान भी दिलाता है। इस क्षेत्र से देश के 32 लाख से अधिक लोग जुड़े हुए हैं, जिनमें 68 प्रतिशत महिलाएं हैं। यह क्षेत्र पर्यावरण के अनुकूल है और टिकाऊ जीवनशैली को बढ़ावा देता है।' उन्होंने समावेशी विकास और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए हस्तशिल्प उद्योग को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

केन्द्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, 'जीएसटी (जीएसटी) दरों में कटौती से हस्तशिल्प उत्पादों के निर्यात को भारी प्रोत्साहन मिला है। बीते वर्षों में, हस्तशिल्प निर्यात 25,000 करोड़ रुपये से दोगुना होकर अब 50,000 करोड़ रुपये के स्तर को छू चुका है। सरकार ने 2031-32 तक इस आंकड़े को 01 लाख करोड़ रुपये तक पहुँचाने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। केंद्र सरकार के महत्त्वपूर्ण कदमों के कारण, अब ग्रामीण शिल्पकारों का सामान सीधे अमेरिका, इंग्लैंड और दुनिया के किसी भी कोने में उपलब्ध हो सकेगा।'

उन्होंने कहा कि हस्तशिल्प की कला और स्थिरता को बढ़ाने के लिए अब नई तकनीकों और सामग्रियों को भी उत्साहपूर्वक अपनाया जा रहा है। इसमें बाँस, रेमी और फ्लैक्स जैसे टिकाऊ फाइबर का उपयोग प्रमुख है। 336 हस्तशिल्प और हथकरघा उत्पादों को जीआई टैग प्राप्त होने से भारत वैश्विक हस्तशिल्प बाज़ार में एक मज़बूत ब्रांड के रूप में स्थापित होगा।

राज्य मंत्री पबित्र मार्गेरिटा ने कहा, 'हमारी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को संजोना और अगली पीढ़ी तक पहुँचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। हमारे शिल्पकारों का हुनर हमारे गाँवों की पहचान, हमारी परंपराओं की गरिमा और पूरे देश का गौरव है।' उन्होंने कहा कि शिल्पकारों की कला केवल वस्तुएं नहीं बनाती बल्कि आशा, सम्मान और स्वाभिमान भी गढ़ती है। यह विरासत आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी और भारत की सांस्कृतिक धरोहर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी।

इस अवसर पर गिरिराज सिंह ने राष्ट्रपति मुर्मु को अशोक प्रतीक चिन्ह वाला स्मृति चिन्ह और हाथ से बने हस्तशिल्प पुरस्कार कैटलॉग भेंट किया। इसके अलावा, विजेताओं को नकद राशि 3.5 लाख रुपये, 20 ग्राम स्वर्ण पदक, ताम्रपत्र, अंगवस्त्रम् और प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, कारीगरों की आजीविका को मजबूत करना और देश की समृद्ध हस्तशिल्प विरासत को पहचान देना है।

रूसी प्रतिनिधिमंडल शैक्षणिक यात्रा पर काशी पहुंचा, गर्मजोशी से हुआ स्वागत

वाराणसी ■ एजेंसी

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ पिछले सप्ताह भारत के आधिकारिक दौरे पर आया प्रतिनिधिमंडल मंगलवार को शैक्षणिक यात्रा पर वाराणसी पहुंचा। रूसी दल ने सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के श्रमण विद्या संकाय के कार्यक्रम में भागीदारी की। कुलपति प्रो. बिहारी लाल शर्मा ने उनका गर्मजोशी से स्वागत और अभिनन्दन किया।

प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे रूस में स्थित कालिमक यूनिवर्सिटी, कालिमकिया, एलिस्टा के कुलपति प्रो बतिर एलिस्टेव ने भी परिसर में आने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि यहां आकर भारतीय ज्ञान परम्परा के आलोक में सनातन धर्म संस्कृति को जानने की उत्सुकता की पूर्ति हुई। दुनियां के प्राचीन शहर काशी में स्थित इस प्राचीन शैक्षणिक संस्था में सुखद अनुभव हुआ। यदि भारत को जानना है तो देववाणी संस्कृत के अन्दर निहित ज्ञानराशि को समझना होगा। यहीं भारतीय संस्कृति, संस्कार एवं भारतीयता का संपूर्ण सार है।

कुलपति प्रो.शर्मा ने कहा कि आज विश्व में दो विद्वत शक्ति(भारत व रूस) मिलकर मानवता एवं सांस्कृतिक धरोहरों को संरक्षित करने तथा विश्व को मानवता के पथ पर ले चलने के लिए वचनबद्ध हैं। रूस, भारत के साथ सात दशक से निरन्तर नि:स्वार्थ भाव से सहोदर भ्राता के रूप में मैत्री परम्परा को आगे बढ़ाते हुए अहर्निश खड़ा हैं। प्रो.शर्मा ने कहा कि रूसी प्रतिनिधिमंडल की शैक्षणिक यात्रा दो संस्कृतियों का स्पंदन है। जहां उन्होंने भारतीय ज्ञान परम्परा और सनातन धर्म संस्कृति के बारे में जानकारी प्राप्त की। यह संस्था भारतीय संस्कृति के संरक्षण के लिए स्थापित है। यह भारत की आत्मा का साक्षात्कार है। जो भारतीय संस्कृति और ज्ञान परम्परा को विश्वभर में प्रसारित किया जा रहा है।श्रमण विद्या संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. रमेश प्रसाद ने कहा कि आज रूसी प्रतिनिधिमंडल ने पाली एवं संस्कृत के परस्पर गूढ़ रहस्यों के साथ दोनों देश की संस्कृतियों को समझा।

रूसी राष्ट्रपति पुतिन 4 एवं 5 दिसंबर को भारत के दो दिवसीय दौरे पर आए थे। पुतिन अपना दौरा पूर्ण कर 5 दिसंबर की रात 9 बजे रूस के लिए रवाना हुए थे, लेकिन उनके साथ आया प्रतिनिधिमंडल यहां रुक गया था।

जरूरतमंद लोगों में बांटे गर्म कपड़े

खूंटी। बढ़ती ठंड को देखते हुए जिले के सुदूरवर्ती इलाकों में जरूरतमंदों के बीच गर्म वस्त्र का वितरण प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह जिला विधिक सेवा प्राधिकार (डालसा) के अध्यक्ष रसिकेश कुमार के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में डालसा और सेवा वेलफेयर सोसाईटी भी सहयोग दे रही है। कार्यक्रम के दौरान मंगलवार को सोसाइटी के अध्यक्ष अजय शर्मा के नेतृत्व में एक टीम मुरहू और अड़की प्रखंड के गांवों में पहुंची जहां केवड़ा, मदहातू और बूढ़ीकाय गांवों में टीम ने बच्चों, युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के बीच गर्म और अन्?य वस्त्रों का वितरण किया गया।

जम्मू क्षेत्र में भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा बलों ने चलाया संयुक्त तलाशी अभियान

जम्मू ■ एजेंसी

स्निफर डॉग यूनिट्स के साथ जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और सीआरपीएफ की टीमों ने कठुआ, सांबा और जम्मू जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा (आईबी) के पास आगे के इलाकों में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया है। अभियान से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के जवानों ने स्निफर डॉग्स और पुलिस स्पेशल ऑपरेशन्स ग्रुप (एसओजी) के साथ मिलकर आईबी के पास के इलाकों में तलाशी अभियान चलाया है, जिसमें जम्मू में गंजनसू, मढ़ और दोमाना, सांबा में नडाला, रीगल, पंगदौर और गलार और कठुआ जिले में खानपुर और पंसार शामिल हैं।

सुरक्षाबलों ने सीमा के पास अलग-अलग माइग्रेंट बस्तियों में तलाशी ली। उन्होंने बताया कि कुछ इलाकों में बम निरोधक दस्ता भी संयुक्त टीमों का हिस्सा था। इसके अलावा डायरेक्टर जनरल ऑफ़ पुलिस नलिन प्रभात और पुलिस, सेना और बीएसएफ के सीनियर अधिकारियों समेत वरिष्ठ अधिकारियों ने सिक्योरिटी सेटअप और ऑपरेशनल तैयारियों की समीक्षा करने के लिए भारत-पाकिस्तान बॉर्डर पर आगे के इलाकों का दौरा किया है।

आने वाले महीनों में कोहरे का फायदा उठाने की कोशिश कर रहे पाकिस्तान के आतंकवादियों की घुसपैठ की कोशिशों का मुकाबला करने के लिए सुरक्षाबलों ने पूरे आईबी सेक्टर के लिए सर्दियों की रणनीति बनाई है।

रेल राज्य मंत्री सोमन्ना ने तिरुपति-साईंनगर शिरडी एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

नई दिल्ली ■ एजेंसी

रेल राज्यमंत्री वी. सोमन्ना ने मंगलवार को यहां रेल भवन से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से तिरुपति-साईंनगर शिरडी एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई साप्ताहिक ट्रेन आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र को जोड़ते हुए तीर्थ यात्रा को नई गति देगी और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटीय क्षेत्र से शिरडी के लिए पहली सीधी रेल सेवा उपलब्ध कराएगी।

सोमन्ना ने इसे चार राज्यों के श्रद्धालुओं के लिए ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा कि भारतीय रेल केवल परिवहन का माध्यम नहीं, बल्कि देश के विभिन्न क्षेत्रों और संस्कृतियों को जोड़ने वाली राष्ट्रीय जीवनरेखा है। उन्होंने कहा कि तिरुपति और शिरडी जैसे प्रमुख तीर्थस्थलों को सीधे जोड़ने से यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और निर्बाध अंतर-राज्यीय यात्रा सुविधा मिलेगी। लगभग 30 घंटे की यात्रा अवधि वाली यह नई ट्रेन रास्ते में नेल्लोर, गुंटूर, सिकंदराबाद, बीदर, मनमाड़ सहित कुल 31 प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी और मार्ग में पारली वैजनाथ जैसे महत्वपूर्ण मंदिर स्थल को भी जोड़ती है।

उन्होंने कहा कि इस सेवा से तीर्थ पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, मार्ग में आर्थिक गतिविधियां बढ़ेंगी और आसपास के क्षेत्रों का संपूर्ण विकास होगा। नई ट्रेन महाराष्ट्र, उत्तर कर्नाटक और सिकंदराबाद क्षेत्र को भी सीधा लाभ पहुंचाएगी। सोमन्ना ने बताया कि 2014 के बाद से आंध्र प्रदेश में रेल अवसंरचना में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज हुई है। वर्ष 2009-14 के दौरान आंध्र प्रदेश व तेलंगाना के लिए औसत रेल बजट जहां 886 करोड़ रुपये था, वहीं 2025-26 में यह बढ़कर 9,417 करोड़ रुपये हो गया है। राज्य में वर्तमान में 93 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रेल प्रोजेक्ट चल रहे हैं। 2014 के बाद से राज्य में 1,580 किमी नई लाइनों का निर्माण हुआ है, वह भी शत प्रतिशत विद्युतीकरण के साथ। राज्य में अब 73 अमृत स्टेशन विकसित किए जा रहे हैं जिन पर 3,125 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके अलावा 800 फ्लाईओवर और पुल, 110 लिफ्टें, 40 एस्केलेटर लगाए गए हैं तथा 16 वंदे भारत (8 जोड़ी) और 6 अमृत भारत (3 जोड़ी) ट्रेनें शुरू की गई हैं।

भारत माता के प्रति समर्पण, त्याग और अदम्य साहस की शाश्वत भावना है वंदेमातरम : राधाकृष्णन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राज्यसभा में मंगलवार को 'वंदे मातरम्' की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा से पूर्व, सभापति सीपी राधाकृष्णन ने अपने प्रारंभिक उद्बोधन में इसे राष्ट्र की आत्मा और स्वतंत्रता संग्राम की धड़कन बताया। उन्होंने कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, बल्कि भारत माता के प्रति समर्पण, त्याग और अदम्य साहस की शाश्वत भावना है, जिसने गुलामी के दौर में करोड़ों भारतीयों के दिलों में स्वतंत्रता की लौ जलाए रखी।

सभापति ने कहा कि बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह कालजयी गीत उस समय जन्मी जब मातृभूमि पर उपनिवेशवाद का भारी बोझ था, लेकिन देखते ही देखते यह पूरे राष्ट्र की साझा धड़कन बन गया। उन्होंने कहा कि यह गीत धर्म, भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे जाकर पूरे देश को एक सूत्र में पिरोता रहा। राधाकृष्णन ने स्मरण कराया कि स्वतंत्रता सेनानियों के लिए वंदे मातरम् केवल प्रेरणा नहीं था, बल्कि कई वीरों की अंतिम पुकार भी—जब वे हंसते-हंसते फांसी के तख्ते पर चढ़ते हुए भारत की आज़ादी का स्वप्न दिल में लिए इसे उच्चारित करते थे। उन्होंने कहा कि इन ज्ञात-अज्ञात बलिदानियों की तपस्या इस गीत की हर पंक्ति में आज भी गूंजती है और हमें यह याद दिलाती है कि आज़ादी अटूट संकल्प और मातृभूमि के प्रति अनन्य प्रेम से अर्जित हुई है।

सभापति ने महान कवि सुब्रमण्य भारती की उस पंक्ति का भी उल्लेख किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि वंदे मातरम् का स्वर दुनिया भर में तेजस्विता का प्रकाश फैलाता है। उन्होंने कहा, 'वंदे मातरम् एक प्रण है—हमारी पहचान का, हमारी एकता का और हमारे सामूहिक भविष्य का।' 'देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले सभी वीरों को नमन करते हुए सभापति ने कहा कि उनका त्याग केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि राष्ट्र की अनंत प्रेरणा शक्ति है। उन्होंने कहा कि इस विशेष चर्चा का आरंभ करते हुए हमें तीन सूत्र याद रखने चाहिए—एकता हमारी शक्ति है, बलिदान हमारा मार्ग है, और भारत माता हमारी आत्मा है।

राधाकृष्णन ने सदन से आह्वान किया कि हम सब एक स्वर में संकल्प लें—ईमानदारी से राष्ट्र सेवा का, एकता के साथ आगे बढ़ने का और गर्व से उच्चारित करने का—वंदे मातरम्। वंदे मातरम्। वंदे मातरम्।

कोर्ट का निर्देश, प्रमुख सचिव गृह और प्रदेश के डीजीपी इस मामले को देखें और आवश्यक निर्देश जारी करें

भ्रष्टाचार निवारण के मामलों की जांच में बरती जा रही है लापरवाही : उच्च न्यायालय

प्रयागराज ■ एजेंसी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एक आदेश में कहा है कि भ्रष्टाचार निवारण के मामलों की जांच अत्यंत लापरवाहीपूर्ण तरीके से की जा रही है। कोर्ट ने रिश्वत के रकम की बरामदगी और जब्ती में खामियां पाते हुए टिप्पणी की कि अधिकांश मामलों में न तो आरोपित और शिकायतकर्ता के हाथ उस जगह धोए जा रहे हैं जहां ट्रैप किया गया था और न ही बरामद रिश्वत की राशि को ट्रैप वाली जगह पर सील किया जा रहा है।

जबकि ट्रैप कार्यवाही की शुचिता के लिए ये कार्यवाही उसी जगह की जानी चाहिए, जहां ट्रैप किया गया था। इसलिए प्रमुख सचिव गृह और प्रदेश के पुलिस महानिदेशक इस मामले को देखें और इस संबंध में आवश्यक निर्देश जारी करें। कोर्ट ने रजिस्ट्रार जनरल को आदेश की प्रति अनुपालन के लिए प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव गृह और पुलिस महानिदेशक को जल्द से जल्द भेजने का निर्देश दिया।

यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने सुरेश प्रकाश गौतम की जमानत याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। सुरेश प्रकाश गौतम के खिलाफ सहारनपुर में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। मामले के कागजात की जांच के बाद कोर्ट ने पाया कि आरोप के अनुसार याची शामली में श्रम प्रवर्तन अधिकारी के पद पर तैनात था और शिकायतकर्ता के दावे का निपटारा करने के लिए उसने रिश्वत की मांग की। बाद में उसे ट्रैप टीम ने उसे रंगे हाथ पकड़ा। रिश्वत के नाम पर ली गई रकम की बरामदगी भी उसके कब्जे से हुई। उसके घर से 21 लाख 50 हजार रुपये भी बरामद किए गए। लेकिन कागजात के अनुसार न तो याची और शिकायतकर्ता के हाथ उस जगह पर धोए गए, जहां ट्रैप किया गया था तथा न ही बरामद रिश्वत की राशि को मौके पर सील किया गया था।

कागजात यह भी बताते हैं कि रिश्वत की बरामदगी का मेमो भी मौके पर तैयार नहीं किया गया और ऐसा प्रतीत होता है कि यह सारी कार्यवाही थाने में की गई है। इन तथ्यों के आधार पर याची के अधिवक्ता का यह तर्क कि ट्रैप की कार्यवाही संदेहास्पद प्रतीत होती है, को इस स्तर पर पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि अभिलेख से यह भी पता चलता है कि शिकायतकर्ता ने 21 अगस्त को याची के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी लेकिन 14 अगस्त को याची ने उप श्रम आयुक्त को प्रार्थना पत्र दिया था कि कार्यालय के कुछ अधिकारी उसे कुछ झूठे मामलों में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं। कोर्ट ने कहा कि इस तथ्य पर विचार करते हुए याची के अधिवक्ता का यह तर्क कि याची को झूठा फंसाया जा रहा है, को भी इस स्तर पर पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता।

धान मिंजाई के दौरान लगी आग, हार्वेस्टर मशीन व ट्रैक्टर के साथ धान की फसल जलकर हुई खाक

बीजापुर। जिले के भैरमगढ़ ब्लॉक के फूलगट्टा गांव में आज मंगलवार को धान मिंजाई के दौरान एक हार्वेस्टर मशीन और ट्रैक्टर में आग लग गई। घटना फूलगट्टा निवासी बोरगाराम चेडदोर के खेत में हुई। बोरगाराम अपने धान की फसल की मिंजाई मशीन से करवा रहे थे, तभी अचानक चलती मशीन और ट्रैक्टर में आग लग गई। आग तेजी से फैली और देखते ही देखते पूरे धान को अपनी चपेट में ले लिया। मौके पर मौजूद किसानों और ग्रामीणों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक आग इतनी फैल चुकी थी कि लाखों की फसल को बचाया नहीं जा सका।

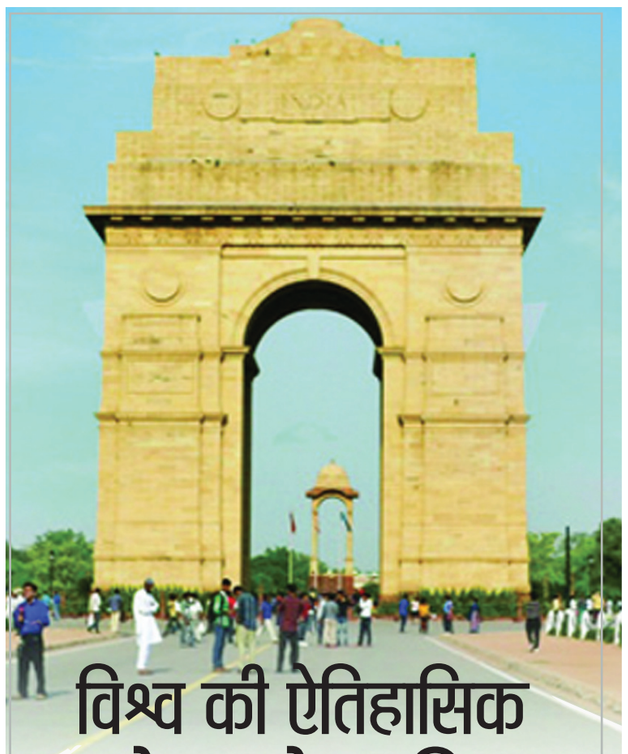

विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल है इंडिया गेट

इंडिया गेट जो विश्व की ऐतिहासिक धरोहर में शामिल एक द्वार है और यह दिल्ली में स्थित है.हर साल लाखों सैलानी इस द्वार को देखने आते हैं.हर साल 26 जनवरी के दिन इंडिया गेट के सामने गणतंत्र दिवस की परेड कराई जाती है.

जी हां दोस्तों आज का हमारा लेख इंडिया गेट से संबंधित है.आज हम आपको इंडिया गेट से जुड़े वे सभी रोचक तथ्य बताने जा रहे हैं जो आपने आज से पहले शायद ही कहीं पढ़े होंगेतो चलिए जानते हैं

- इंडिया गेट की ऊंचाई 43 मीटर है विश्व का सबसे बड़ा युद्ध स्मारक है.
- क्या आप जानते हैं इंडिया गेट को प्राचीन समय में किंग्सवे के नाम से जाना जाता था और इसका डिजाइन सर एडवर्ड लुटियन्स ने बनाया था.
- इंडिया गेट के सामने स्थापित छतरी में जार्ज पंचम की एक मूर्ति स्तापित थी जिसे बाद में यहाँ से हटाकर कोरोनेशन पार्क में स्थापित कर दिया गया था.
- आपको जानकर गर्व होगा इंडिया गेट का निर्माण प्रथम विश्वयुद्ध में शहीद हुऐ 80,000 से अधिक भारतीय सैनिकों की याद में किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट पर 13300 अधिकारियों और सौनिकों के नाम अंकित हैं.
- इंडिया गेट के नीचे चारों कोनों पर अमर जवान ज्योति हमेशा जलती रहती है जिसे वर्ष 1971 में भारत पाक युद्ध में भाग लेने वाले सैनिकों की याद में स्तापित किया गया था.
- क्या आप जानते है इंडिया गेट की नींव 1921 में ड्यूक ऑफ कनॉट ने रखी थी और इस स्मारक को बनने में पूरे 10 वर्षों का समय लगा था.
- इंडिया गेट को देखने के लिए भारतीय टूरिस्टो के साथ साथ विदेशी सैलानी भी इस द्वार पर आते है.
- शाम के समय इंडिया गेट के चारों ओर लगी रोशनियों से इसे जगमगा दिया जाता है.जिससे एक भव्य दृश्य बनता है जो हमारी आँखों को एक सुखद अहसास देता है.
- आप इस स्मारक के पास से राष्ट्पति भवन को भी निहार सकते है.

अब मछली नहीं उड़ती

बहुत पुरानी बात है। उन दिनों मछलियां तैरने के साथ उड़ भी सकती थीं। मछली का मन करता, तो वह दूर आसमान में जा उड़ती। तैरने का मन करता, तो नदी के अंदर चली जाती।

एक दिन बगुले का जोड़ा कहीं जा रहा था। बगुला मछली से बोला, हमारे अंडों का ध्यान रखना। हम किसी से मिलकर आते हैं।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने कहां चली गई? उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। हमारे अंडों का ध्यान रखना। उन सबके लौटने तक मछली ने अंडों का ध्यान रखा।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली से कहा, मैं घूमने जा रही हूं। मेरे बच्चे अकेले हैं। मछली पहरा देने लगी। चुहिया रात को लौटी। मछली जाने को हुई, तो गिलहरी ने आवाज लगाई, अमरूद पक गए होंगे, तो मुझे बताना।

मछली उड़ी और अमरूद के पेड़ के फल देख आई। फिर गिलहरी को बताया, अमरूद पक चुके हैं।

मछली जाने लगी, तो एक सांप ने पूछा, कहां जा रही हो?

मछली बोली, अब थक गई हूं। पानी में तैरने जा रही हूं।

सांप ने हंसते हुए कहा, आज की थकान तो दूर हो जाएगी। मगर कल क्या होगा?

मछली ने चौंकते हुए पूछा, मतलब?

सांप ने जवाब दिया, मतलब यह है कि हर कोई तुम पर रोब जमाता है। मोर, बगुले, चुहिया, गिलहरी तक तुम से अपना काम करा लेते हैं। क्यों?

मछली सोच में पड़ गई।

सुबह हुई। बगुले का जोड़ा मछली के पास आया और वही बात कहकर उड़ चला। मछली को सांप की बात याद थी। उसने मुंह बनाया, हुंह! मैं नदी में तैरने जा रही हूं। शाम तक बाहर नहीं आऊंगी।

बस फिर क्या था। सांप को इसी पल का इंतजार था। बगुलों के वापस आने से पहले वह उनके अंडे खा चुका था।

दोपहर हुई, तो मोर ने मछली से कहा, मोरनी न जाने फिर कहां चली गई। मैं उसे ढूंढ़ने जा रहा हूं। अंडों का ध्यान रखना। मछली ने मोर की बात को अनसुना कर दिया। वह घने पेड़ के पीछे आराम करने लगी। सांप ने मोरनी के अंडों को भी चट कर डाला।

शाम हुई, तो चुहिया ने मछली को बुलाया। रोज की तरह वह टहलने चली गई। मछली उड़ी और आसमान में गायब हो गई। अब सांप चुहिया के बच्चों को निगल गया।

रात हुई, तो गिलहरी ने मछली से कहा, अमरूद पक गए हैं। मैं भी कुछ अमरूद खा आती हूं। मेरे बच्चों का ध्यान रखना। गिलहरी के जाते ही मछली ने नदी में गोता लगाया। वह तैरती हुई नदी के दूसरे तट पर जा पहुंची। सांप ने गिलहरी के बच्चों को भी अपना निवाला बना लिया।

सुबह हुई, तो सभी ने मछली को घेर लिया। बगुला आगबबूला होकर चिल्लाया, मेरे अंडे कहां हैं?

चुहिया और गिलहरी ने अपने बच्चों के बारे में पूछा। मछली ने जवाब दिया, मुझे क्या पता?

बगुले को गुस्सा आ गया। उसने मछली को दबोच लिया। मछली ने डरते-डरते सारा किस्सा सुनाया।

किस्सा सुनकर चुहिया बोली, एक सांप की बातों में आकर तुमने हमारा भरोसा तोड़ा है। मैं तुम्हें उड़ने लायक नहीं छोडूंगी। चुहिया ने मछली के पंख कुतर डाले। गिलहरी ने कहा, आज से तुम उड़ नहीं पाओगी। मछली नदी में जा छिपी। बगुला बोला, कहां जाती हो। मैं तुम्हें पानी में भी नहीं छोडूंगा। तभी से बगुला मछली की ताक में रहता है। वहीं मछली अब उड़ नहीं पाती है।

बादलों का सीना चीरकर उड़ने वाले पक्षी बाज के बारे में आप भली-भांति जानते होंगे.बाज एक ऐसा पक्षी है जो बादलों से भी ऊपर उड़ सकता है और इसके साथ ही यह पक्षी बहुत तेज रफ्तार से उड़ता है. उदाहरण के तौर पर बाज 380 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार तक उड़ सकता है.

आसमान का राजा बाज

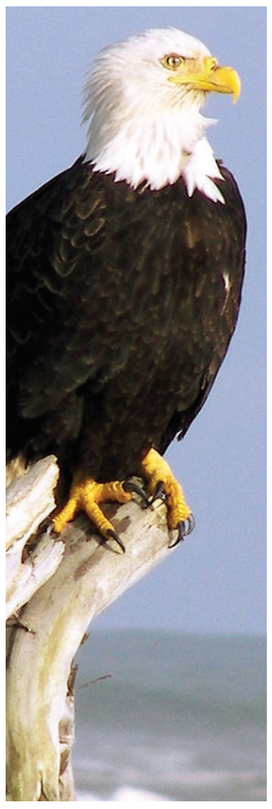

बाज आसमान में लगभग 12000 फीट ऊंचा उड़ सकता है यह बारिश के दिनों में हमेशा बादलों के ऊपर उड़ता है शायद इसीलिए इसे आसमान का राजा भी कहा जाता है. बाज हवा में एक जगह मंडरा सकते हैं जैसे एक पतंग हवा में एक जगह उड़ती रहती है.एक वैज्ञानिक शोध के अनुसार बाज की नजर बहुत तेज होती है यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर दूर से ही देख सकता है साथ ही इनकी आंखों में इन्फ्रारेड सिस्टम विकास हो गया है जिसकी वजह से यह है शिकार के शरीर से निकलने वाली गर्मी को पहचान कर उसका शिकार कर सकता है.बाज की नजर का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि बाज को आसमान से ही पानी में तैरती हुई मछली दिखाई दे जाती है और बाज पानी में गोता लगाकर मछली को पकड़ सकता है.

बाज की चोंच एक अलग तरह से बनी होती है इनकी चोच 90 डिग्री के कोण पर मुड़ी हुई होती है चोच के दोनों तरफ एक छोटा दांत बाहर निकला हुआ होता है.यह अपने शिकार को देखते हैं लगभग 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार की तरफ बढ़ते है.और जैसे ही कोई मेंढक या चूहा पकड़ते है तो उसकी गर्दन पर ऐसी जगह पर वार करते है जिससे उसका नर्वस सिस्टम काम करना बंद कर देता है. जिसे शिकार मुकाबला नहीं कर पाता है और मारा जाता है.बाज अपने से दो गुना बड़े शिकार को पकड़ सकता है, कभी-कभी यह अपने से इतने बड़े शिकार को पकड़ लेते हैं कि एक बार में उसे खा भी नहीं पाते है.क्थद्दद्यद्ग शिकार करके अपने भोजन को ऊंची पहाड़ियों में बने अपने घोसलों में छोड़ देते है. और बाद में जब इन्हें भूख लगती है तब यह उस शिकार को आ कर खा लेते है.बाज की आंखें अपने शिकार को बिना पलक झपकाए अधिक समय तक देख सकती हैं इसी कारण ये अपने शिकार से कम ही चुकते है. बाज एक मांसाहारी पक्षी होता है इसका भोजन सांप, मछली, मेंढक, खरगोश, चूहे और छोटे पक्षी होते है. यह पक्षी लगभग पूरी दुनिया में ही पाया जाता है यह ज्यादातर ऊंची पहाड़ियों और चट्टानों पर अपना घोंसला बनाते है लेकिन ज्यादातर बाज पक्षी दूसरे पक्षियों के घोंसलों पर कब्जा करके यह रहते है.विश्व भर में इसकी 60 से भी अधिक प्रजातियां पाई जाती है.एक वयस्क बाज का वजन लगभग 10 किलो तक हो सकता है.इसके फल का आकार में बहुत बड़े और पतले होते हैं जिसके कारण यह ज्यादा देर तक हवा में उड़ पाते है.मादा बाज पक्षी साल में एक बार 3 से 4 अंडे देती है और जब तक उनमें से उसके बच्चे नहीं निकल आते है वह उनके ऊपर बैठी रहती है. बाज के बच्चे अंडे में से औसतन 35 से 40 दिनों के अंदर बाहर निकल आते है.एक बाज की औसतन आयु 60 से 70 वर्ष होती है.उनके पंख और सोच लगातार बढ़ती रहती है इसलिए जैसे-जैसे यह व्यस्त होते है. इन्हें अपनी चोच से भोजन खाने में दिक्कत होने लगती है इसीलिए यह चट्टानों पर जाकर अक्सर अपनी चोच घिसते रहते है.इनके पंजों की बात करें तो पैर के पंजे बहुत ही ताकतवर और नुकीले होते हैं जिससे यह किसी भी सांप या मछली को अगर एक बार पकड़ ले तो उसके बाद छोड़ते नहीं है.यह पक्षी ज्यादातर अकेले रहना ही पसंद करता है.

- बाज पक्षियों में सबसे बड़ा पक्षी होता है.
- बाज एक मांसाहारी पक्षी है.
- यह मुख्य रूप से भोजन में सांप, मछली, चूहा, मेंढक इत्यादि खाते है.
- बाज आसमान में बिना पंखों को हिलाएं हवा में अधिक समय तक उड़ सकता है.
- यह लगभग दुनिया के हर देश में पाया जाता है और दुनिया भर में इसकी 60 से अधिक प्रजातियां अभी तक खोजी जा चुकी है.
- यह पक्षी अकेले में जंगलों में पहाड़ियों के ऊपर रहना पसंद करता है.
- क्या आप जानते हैं जब भी पक्षियों के राजा की बात आती है तो उनमें बाज का नाम सबसे पहले लिया जाता है.क्योंकि यही एक मात्र ऐसा पक्षी है जो तेज रफ्तार के साथ ही शारीरिक रूप से भी सर्वाधिक शक्तिशाली माना जाता है.
- बाज मांसाहारी जीवो की श्रेणी में आता है और इसका जीवनकाल लगभग 40 वर्ष से लेकर 70 वर्ष का होता है.
- बाज तेजी से उड़ने और सतह पर चलने की लिए भी जाना जाता है. यह पक्षी सतह पर भी गजब की तेजी से दौड़ता है.
- बाज के शरीर की बनावट जैसे छाती की मजबूत मांसपेशियाँ , लम्बे पंख और स्ट्रीमलाइन आकार के फाल्कन सही मायने में इस पक्षी को गजब की रफ्तार देने के लिए ही बने है.
- बाज के शरीर की लंबाई 13 से 23 इंच तक हो सकती है तथा बाज क पंखो लंबाई 29 से 34 इंच तक होती है.इसके साथ ही मादा बाज का आकार नर बाज से बड़ा होता है.
- बाज के पसंदीदा शिकारो में चिड़िया, कबूतर, चूहा ८ बत्तख इत्यादि का शिकार ज्यादातर करता है.
- बाज आकाश में 12000 फीट की उंचाई तक उड़ान भर सकता है
- क्या आप जानते है बाज की अब तक लगभग 2000 प्रजाति खोजी जा चुकी है.
- अगर आप बाज को नहीं पहचानते तो इसे जानने के लिए नीली स्लेटी और उसी रंग के लम्बे नुकील पंखो और पेट पर सफेद एवं काले धब्बो से पहचाना जा सकता है.
- आपको जानकर हैरानी होगी द्वितीय विश्व युद्ध में कबूतरों द्वारा भेजे संदेशो को रोकने के लिए घुमन्तु बाज का इस्तेमाल किया जाता था.
- जंगलो में रहने वाले आदिवासी ज्यादातर छोटे -छोटे पक्षियों के शिकार के लिए बाज का सहारा लेते हैं.
- बाज एक ऐसा पक्षी है जो अंटार्टिका के इलावा समूचे विश्व में पाया जाता है.
- बाज ही एकमात्र ऐसा शिकारी पक्षी है जो शिकार के लिए इंसान के 2 साल के बच्चे को भी उठा कर ले जा सकता है.
- मादा बाज 1 से लेकर 3 अंडे देती है और लगभग बाज 34 से 36 दिनों तक अण्डों पर बैठती है जिसके बाद अण्डों में से बच्चे बाहर निकल आते हैं
- क्या आप जानते है एक स्वस्थ बाज 6 किलोग्राम वजन को उठा कर हवा में उड़ सकता है.
- जिस तरह बाज तेजी का प्रतिक माना जाता है ठीक इसी प्रकार बाज के बच्चे का भी बहुत तेजी से विकास होता हैं यह 6 सप्ताह में 3-4 किलो हो जाता हैं.
- बाज की नजर भी बहुत तेज होती है उदाहरण के तोर पर यह अपने शिकार को 5 किलोमीटर की दूरी पर भी देख लेता है.

प्रति सेकंड 130 फ्रेम देख सकता है पेरग्रिन बाज

पशु-पक्षियों की दुनिया में पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तेज होती है। एक अध्ययन के अनुसार, दुनिया के सबसे सामान्य परभक्षी पक्षियों में शुमार यह बाज एक सेकंड में लगभग 130 फ्रेम देख सकता है। स्वीडन की लुंड यूनिवर्सिटी सहित कई शोधकर्ताओं का कहना है कि इसकी तुलना में इंसान प्रति सेकंड अधिकतम 50-60 फ्रेम ही देख पाते हैं। उन्होंने कहा कि कोई शख्स मूवी थिएटर में बतौर फिल्म प्रति सेकंड 25 छवियों की गति ही देख सकता है। वह भी उसे छवियों की शृंखला के रूप में नहीं देख सकता है। जर्नल ऑफ एक्सपेरिममेंटल बायोलॉजी में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार, पेरग्रिन बाज की दृष्टि सबसे तीव्र होती है। तेज प्रकाश वाले वातावरण में उसकी दृष्टि 129 एचजेड (प्रति सेकेंड पलक झपकाना) होती है। इन्हीं परिस्थितियों में सेकर बाज 102 एचजेड और हैरिस की देखने की क्षमता 77 एचजेड होती है। ऐसा पहली बार है, जब वैज्ञानिकों ने परभक्षी पक्षियों की दृष्टि की गति का अध्ययन किया है। इसके लिए उन्होंने यह गणना की कि वे कितने दृश्यों का अनुभव कर सकते हैं। अध्ययन के सह लेखकों में एक लुंड यूनिवर्सिटी के एल्मट केल्बर ने कहा, 'मेरे सहयोगी साइमन पोटियर और मैंने सेकर और हैरिस प्रजाति के बाजों का अध्ययन किया। इस दौरान यह भी गणना की कि ये कितनी तेज रोशनी में झपकी ले सकते हैं।' शोधकर्ताओं ने कहा कि परभक्षी पक्षियों की नजर शिकार की जरूरत के हिसाब से हरकत करती है। आमतौर पर बाज तेज गति से उड़ने वाली पक्षियों का शिकार करते हैं और अपनी तीव्र दृष्टि से उन पक्षियों के सचेत होने से पहले ही उन्हें पकड़ लेते हैं।

350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से शिकार करता है

शोधकर्ताओं ने बताया कि हैरिस नामक बाज के पास अत्यधिक ऊंचाइयों पर शिकार करने के लिए बहुत तेज दृष्टि नहीं होती है, क्योंकि वह जमीन पर छोटे और धीमी गति वाले जानवरों का शिकार करते हैं। शोधकर्ताओं के अनुसार, पेरग्रिन बाज के पास अलग-अलग दृश्यों में खुद की दृष्टि को समायोजित करने की क्षमता होती है, क्योंकि यह एक फॉर्मूला वन रेसिंग कार की गति यानी 350 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अपने शिकार पर हमला बोलती है।

पिंजरे में रखे गए पक्षियों की स्थिति समझने में मिलेगी मदद

यह अध्ययन छोटे कीटों को खाने वाली पक्षियों की देखने की क्षमता का पता लगाने के लिए किया गया है। शोधकर्ताओं ने का कहना है कि बाजों के शिकार की कला यह भी बताती है कि परभक्षी पक्षियों की दृष्टि बहुत तीव्र होती है। शोधकर्ताओं के अनुसार, इस अध्ययन से मिली नई जानकारी से कैद में रखे गए पक्षियों की स्थिति को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।

अजीब है कस्तूरी बैल

बैल के बारे में आप लोग तो कुछ न कुछ जानते ही होंगे। लेकिन आप लोगों को आज एक ऐसे बैल के बारे में बताते हैं, जिसके बारे में शायद ही आप लोग जानते हों। यह बैल है कस्तूरी बैल। है न रोचक बात! आप लोग मस्क डीयर यानी कि कस्तूरी हिरण के बारे में जानते होंगे, लेकिन कस्तूरी बैल के बारे में नहीं। यह बैल भले ही अपने यहां नहीं पाया जाता, लेकिन यह कुछ एक देशों में पाया जाता है।

कस्तूरी बैल बिल्कुल याक जैसा दिखता है। यह वृक्षहीन टुन्ड्रा प्रदेश और आर्कटिक प्रदेशों का निवासी है। पूर्वी अलास्का से लेकर उत्तरी कनाडा तक और ग्रीनलैंड में पाया जाता है। इसकी दो प्रजातियां होती हैं। एक ग्रीनलैंड मस्क ऑक्स या व्हाइट फेस्ड मस्क ऑक्स। दूसरी प्रजाति केनेडियन हाई-आर्कटिक मस्क ऑक्स होती है।

दिखता है याक जैसा

यदि आप इसे दूर से देखो तो आप को भ्रम हो जाएगा। आपको लगेगा कि यह याक है, लेकिन ऐसा होता नहीं है। इसका शरीर काफी गठीला होता है। उस पर फर की दोहरी परत होती है। बाहरी परत लम्बे-लम्बे फर वाली होती है। कभी-कभी इसके बाल इतने लम्बे होते हैं कि जमीन को भी छूने लगते हैं। इनके मोटे फरों का रंग गहरा भूरा होता है। इनके फर ही बर्फीले आर्कटिक की शीत लहरों में ठंड से बचाव करते हैं। इनके बाल भेड़ के बालों की तरह ऊन बनाने के काम आते हैं। इनके फर गर्मी के मौसम में झड़ने लगते हैं।

विशालकाय शरीर

इसके कंधों पर कूबड़ होता है। इसके सींग लम्बे,चौड़े और मुड़े हुए होते हैं। इसके खुर बैलों से काफी बड़े होते हैं। इसके विशालकाय शरीर का वजन 200 किलोग्राम से 400 किलोग्राम तक हो सकता है, जबकि शरीर की लम्बाई छह फुट से साढ़े सात फुट के मध्य होती है और ऊंचाई पांच फुट तक होती है। इसके गठीले शरीर के कारण ही शिकारी जानवर जल्दी हमला नहीं कर पाते। ये अक्सर झुंड में ही रहते हैं, इसलिए शिकारी जानवरों पोलर बीयर, आर्कटिक फॉक्स और आर्कटिक भेड़ियों से अपनी रक्षा कर लेते हैं।

नहीं खाता मांस

आप लोग सोच रहे होंगे कि बर्फ में रहने की वजह से इसका भी भोजन मांस होगा, लेकिन ऐसा नहीं है। यह बिल्कुल भी मांसाहारी नहीं है। घास, आर्कटिक फूल, मरकट और बहुत प्रकार की वनस्पति खाता है। वैसे इसे 'विलो प्लांट' खाना ज्यादा अच्छा लगता है। यह अपना भोजन चबाता नहीं है, बल्कि उसे निगल जाता है।

संक्षिप्त समाचार

श्रेयस की वापसी का फैसला इसी माह जांच रिपोर्ट के बाद होगा

मुम्बई। ऑस्ट्रेलिया दौरे में पसलियों में चोट लगने के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे भारतीय टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की वापसी का फैसला इसी माह आने वाली उनकी अल्ट्रासाउंड स्कैन रिपोर्ट के आधार पर होगा। उनकी वापसी अब अगले साल ही होगी। जांच रिपोर्ट के बाद पता चलेगा कि वे कब से आधिकारिक पुनर्वास प्रक्रिया शुरू कर सकेंगे। इसी स्कैन के आधार पर उनकी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी तय हो सकती है। गौरतलब है कि सिडनी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय के दौरान अय्यर की बाईं पसली पर चोट लगी थी, जिसके कारण वह आईसीयू में भी भर्ती थे। इसके बाद से ही उन्हें तुरंत चिकित्सा निगरानी में रखा गया है। अल्ट्रासाउंड स्कैन से पता चलेगा कि उनकी चोट कितनी ठीक हुई है।

तेज गेंदबाज वुड एशेज सीरीज से बाहर, फिशर शामिल

ब्रिस्बेन। इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज के तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले करारा झटका लगा है। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड घुटने में चोट के कारण हुए तीनों मैचों से बाहर हो गये हैं। इससे पहले से ही सीरीज में 2-0 से पीछे चल रही इंग्लैंड टीम की परेशानी और बढ़ गयी है। बुड को पर्थ में सीरीज के पहले मैच में उन्हें बाएं घुटने में चोट लगी थी थी जो अब बढ़ गयी है। । इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने कहा है कि वुड अब रिहैबिलिटेशन और रिकवरी के लिए स्वदेश लौट जाएंगे। उनकी जगह पर मैथ्यू फिशर को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल किया है। गौरतलब है कि वुड घुटने की सर्जरी के बाद पर्थ में पहले टेस्ट में उतरे। इसमें उन्होंने 8 ओवर ही किए थे कि उनके बाएं हैमस्ट्रिंग में जकड़न आ गयी।

तीसरे टेस्ट के लिए टीम चयन बना क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के लिए मुश्किल

एडिलेड। एशेज के पहले दोनो टेस्ट जीतकर सीरीज में 2-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए तीसरे टेस्ट में टीम चयन आसान नहीं रहेगा। तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में शुरु होगा और ऑस्ट्रेलियाई टीम का लक्ष्य इस मैच को जीतकर पांच मैचो की सीरीज अपने नाम करना रहेगा। ऐसे में क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) नहीं चाहेगी कि टीम को नुकसान हो। पहले दोनो ही मैचों में टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने बेहतरीर खेल दिखाया था जिस कारण से अंतिम ग्यारह में से किसी को बहर करना कठिन है।

व्यापार समाचार

सरकार एकीकृत डिजिटल सीमा शुल्क प्लेटफ़ॉर्म बनाएगी

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2027 के बजट से पहले सरकार सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को पूरी तरह डिजिटल बनाने की योजना बना रही है। इसके तहत मौजूदा तीन प्रमुख प्रणालियां आइसगेट, आरएमएस ओर आरसीईएस एकीकृत होकर राष्ट्रीय सीमा शुल्क प्लेटफ़ॉर्म का निर्माण करेंगी। आइसगेट के जरिए व्यापारी ई-फाइलिंग और भुगतान करते हैं, आरएमएस जोखिम-आधारित जांच को स्वचालित करता है और आईसीईएस बैकएंड मूल्यांकन एवं क्लीयरेंस संभालता है। वर्तमान में ये तंत्र अलग-अलग काम करते हैं, जिससे कागजी कार्रवाई और देरी होती है। नई परियोजना से प्रक्रिया में तेजी आएगी, स्वचालित क्लीयरेंस में सुधार होगा और विवाद समाधान पूरी तरह डिजिटल होगा। सरकार आगामी बजट में परियोजना के लिए धन आवंटित कर सकती है।

बीज प्रमाणीकरण न कराया तो होगी वसूली: कृषि मंत्री

लखनऊ। कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने 27 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को चेतावनी दी है, जिन्होंने अभी तक बीज प्रमाणीकरण संस्था में पंजीकरण नहीं कराया। मंत्री ने कहा कि यदि एफपीओ तुरंत पंजीकरण नहीं कराएंगे तो सरकार द्वारा दिए गए अनुदान की वसूली की जाएगी। उन्होंने 32 एफपीओ के उत्पादित बीज के उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा अब तक न खरीदने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को समाधान करने के निर्देश दिए। कृषि निदेशालय में प्रदेश के 100 एफपीओ के कार्यों की समीक्षा की गई, जिसमें 24 एफपीओ ने अब तक 80,960 क्विंटल बीज का उत्पादन और निगम को विक्रय किया। मंत्री ने कहा कि एफपीओ केवल गेहूं और धान ही नहीं, बल्कि ढैंचा के बीज भी प्रमाणित कर निगम को बेचेंगे। बैठक में प्रमुख सचिव कृषि, निदेशक कृषि, निदेशक बीज विकास निगम और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

महिंद्रा की इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9ई पर ऑफर्स की घोषणा

नई दिल्ली। स्वदेशी कंपनी महिंद्रा ने अपनी प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी एक्सईवी 9ई पर आकर्षक ऑफर्स की घोषणा की है। कंपनी की उक्त एसयूवी खरीद कर ग्राहक अधिकतम रुपए 3.80 लाख तक की बचत कर सकते हैं। कंपनी का कहना है कि यह ऑफर वैरिएंट-आधारित होगा और इसमें कैश डिस्काउंट, एक्सचेंज और लॉयल्टी बोनस, कॉर्पोरेट बेनिफिट्स, कंप्लीमेंट्री पीपीएफ और एक्सटेंडेड वारंटी जैसे लाभ शामिल हैं। यह योजना दिसंबर 2025 तक वैध है। और इसका उद्देश्य वर्ष के अंत में बिक्री को बढ़ावा देना और इलेक्ट्रिक कार सेगमेंट में अपनी स्थिति और मजबूत करना है। महिंद्रा ने बताया कि यह छूट सिर्फ सामान्य प्राइस कटौती नहीं, बल्कि विभिन्न लाभों को मिलाकर बनाया गया एक बड़ा पैकेज है, जिसमें अलग-अलग वैरिएंट्स पर रुपए 1.55 लाख से रुपए 3.80 लाख तक का फायदा मिल सकता है। कंपनी का लक्ष्य ग्राहकों को लचीलापन देना है ताकि वे अपनी पसंद और बजट के अनुरूप सर्वश्रेष्ठ विकल्प चुन सकें। प्रीमियम फीचर्स के कारण एक्सईवी 9ई पहले से ही चर्चा में है। यह लगभग 4.8 मीटर लंबी फुल-साइज इलेक्ट्रिक एसयूवी है, जिसमें 663 लीटर का बूट स्पेस और 150 लीटर का फ्रंक दिया गया है। एसयूवी दो बैटरी विकल्पों—59 केडब्ल्यूएच (542किमी रेंज) और 79केडब्ल्यूएच (656किमी रेंज) के साथ आती है। बड़ा बैटरी पैक मॉडल 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार केवल 6.8 सेकंड में पकड़ लेता है। दोनों ही वेरिएंट फास्ट चार्जिंग सपोर्ट करते हैं, जो 20 मिनट में उपयोग योग्य रेंज चार्ज कर देता है।

21 से 30 दिसंबर तक 5 मुकाबले, जी कमलिनी और वैष्णवी शर्मा को मौका

श्रीलंका सीरीज के लिए भारत की विमेंस टी-20 टीम अनाउंस

नई दिल्ली ■ एजेंसी

श्रीलंका के खिलाफ 5 टी-20 की सीरीज के लिए भारत की विमेंस टीम रिलीज हो चुकी है। बीसीसीआई विमेंस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बात की जानकारी दी। हरमनप्रीत कौर ही टीम की कप्तान और स्मृति मंधाना उप कप्तान रहेंगी। स्पिनर वैष्णवी शर्मा और विकेटकीपर जी कमलिनी को पहली बार टीम इंडिया में मौका मिला।

भारत और श्रीलंका के बीच 5 मैचों की सीरीज 21 दिसंबर से शुरू होकर 30 दिसंबर तक चलेगी। शुरुआती 2 मुकाबले विशाखापट्टनम और बाकी 3 मैच तिरुवनंतपुरम में खेले जाएंगे।

भारत का स्क्वॉड हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, जेमिमा रॉड्रिग्ज, शेफाली वर्मा, हरलीन देओल, अमनजोत कौर, अरुंधति रेड्डी, क्रांति गौड़, रेणुका सिंह ठाकुर, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी कमलिनी (विकेटकीपर), श्री चरणी, वैष्णवी शर्मा।

बांग्लादेश की जगह श्रीलंका से खेल रहे टीम इंडिया की यह सीरीज पहले बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली थी, लेकिन उस सीरीज को कैंसिल कर दिया गया। बांग्लादेश की जगह ही श्रीलंका के खिलाफ सीरीज प्लान की गई। वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली सीरीज वनडे वर्ल्ड कप जीतने के बाद यह इंडिया विमेंस की पहली क्रिकेट सीरीज है। भारत ने इसी साल 2 नवंबर को साउथ अफ्रीका के खिलाफ फाइनल जीतकर पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट की ट्रॉफी जीती थी। टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास का सबसे बड़ा रन चेज भी किया था।

कोलकाता दौड़ में 23000 धावक भाग लेंगे

जमशेदपुर में पहली बार ट्रांसजेंडर फुटबॉल लीग का आयोजन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की टीम जमशेदपुर एफसी इस ट्रांसजेंडर लीग का आयोजन कर रही है। जमशेदपुर एफसी के लिए ट्रांसजेंडर को खेलों से जोड़ना क्लब के व्यापक सामुदायिक कार्यक्रम का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

भारतीय फुटबॉल में एक ऐतिहासिक घटनाक्रम के तहत सात ट्रांसजेंडर टीमों ने जमशेदपुर सुपर लीग (जेएसएल) के तहत रविवार को एक विशेष टूर्नामेंट की शुरुआत की। जमशेदपुर एफटी, चाईबासा एफसी, चक्रधरपुर एफसी, जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी, नोआमुंडी एफसी, सरायकेला एफसी और कोल्हान टाइगर एफसी की पांच-पांच खिलाड़ियों की टीमें इस लीग में हिस्सा ले रही हैं। शुरुआत में ट्रांसजेंडर्स लीग में केवल चार टीमें ही प्रतिस्पर्धा करने वाली थीं, लेकिन बाद में तीन और टीमें इसमें शामिल कर ली गईं। यह टूर्नामेंट जमशेदपुर सुपर लीग का एक हिस्सा है, जिसमें आयु-वर्ग लीग जैसी अन्य प्रतियोगिताएं भी होती हैं। जमशेदपुर एफटी ने ट्रांसजेंडर लीग के शुरुआती दिन उद्घाटन मैच में चाईबासा एफसी को 7-0 से जबकि कोल्हान टाइगर एफसी ने चक्रधरपुर एफसी को 3-0 से हराया। जमशेदपुर इंदिरानगर एफसी और नोआमुंडी एफसी के बीच मैच गोलरहित ड्रॉ खेला गया।

जमशेदपुर एफटी के लिए चार गोल करने वाली पूजा सोय ने फुटबॉल खिलाड़ी के तौर पर खुद की पहचान बनने पर खुशी जताते हुए ने कहा, ''फुटबॉल एक बहुत ही खूबसूरत खेल है।

दुर्गेश्वरी राठौर का अर्न्त विश्वविघालयीन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन

धार। खेल और युवा कल्याण विभाग धार द्वारा संचालित हॉकी फीडर सेंटर धार की प्रशिक्षणार्थी दुर्गेश्वरी राठौर का चयन देवी अहिल्या विश्वविघालय इन्दौर के अर्न्त विश्वविघालय हॉकी दल में चयन हुआ है। दुर्गेवश्वरी राठौर ने होल्कर विज्ञान महाविघालय इन्दौर में आयोजित संभाग स्तरीय हॉकी प्रतियोगिता में भाग लेकर श्रेष्ठ खेल का प्रदर्शन कर इस उपलब्धि को प्राप्त किया। उक्त प्रतियोगिता का आयोजन राज्य स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन प्रतियोगिता दिनांक 09 दिसम्बर 2025 से 12 दिसम्बर 2025 तक बालाघाट में सम्पन्न होगी। इसके पश्चात् यह दल पूणे (महाराष्ट्र) में आयोजित जोनल स्तरीय अर्न्त विश्वविघालयीन में भाग लेगी।

कार्यालय कलेक्टर (खनिज शाखा) जिला रायसेन (म0प्र0)

क्रमांक/1188/खनिज/2025 — रायसेन, दिनाक 04/12/2025

सूचना

(म0प्र0 गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18–क)

यह कि सूचित किया जाता है कि, आवेदक श्री मनोज मंडोवरा आत्मज श्री राधेश्याम मंडोवरा, निवासी– 30 वृन्दावन, नवरतन बिहार कॉलोनी, संगम मार्ग, चितौड़गढ़ (राजस्थान) द्वारा म.प्र. गौण खनिज नियम 1996 के नियम, 18–क के तहत पूर्वेक्षण अनुज्ञप्ति प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन पत्र दिनांक 02.12.2025 को प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत आवेदन पत्र का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:–

आवेदन का संक्षिप्त विवरण

क्रं.	तहसील	ग्राम	खसरा नंबर	रकबा	भूमि का प्रकार	खनिज का नाम	रिमार्क
01	रायसेन	मिर्जापुरपाली	26/1/1, 26/2/2, 26/2/1 एवं 26/1/2	4.000 हे0	निजी भूमि	आकारीय पत्थर, ग्रेनाइट, डोलेराइट और अन्य आग्नेय तथा परिवर्तित और अवसादी चट्टानें (जिनका उपयोग काट कर और तराश कर विशिष्ट आकार के ब्लॉक्स, स्लेबस, टाइल्स बनाने के लिए किया जाता है)	कुल रकबा 4.047 हे0

उपरोक्त प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन पत्र में आवेदित क्षेत्र के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो अथवा इस संबंध में कोई अन्य दावा प्रस्तुत करना चाहता हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 30 दिवस के भीतर कार्यालय कलेक्टर, खनिज शाखा, जिला रायसेन में आपत्ति का लेख/कारण दर्शाते हुए लिखित रूप से प्रमाण सहित प्रस्तुत करें। नियत अवधि के उपरांत प्रस्तुत किसी भी आपत्ति/दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

G22480/25

खनि अधिकारी
जिला रायसेन

कार्यालय भू-अर्जन अधिकारी, सिलवानी, जिला-रायसेन

:: सार्वजनिक सूचना ::

प्रकरण क्रमांक 01/अ-82/अनु.अधि./2024-25 – चूंकि राज्य शासन को प्रतीत होता है कि, निम्न अनुसूची में खाने (1) से (8) में अंजित भूमि की अनुसूची के खाने (8) में उनके सामने दिये गये सार्वजनिक प्रयोजन के लिये आवश्यकता पड़ने की संभावना है। उक्त प्रयोजन हेतु प्रकरण में क्या प्रदेश शासन राजस्व विभाग मंत्रालय भोपाल के परिपत्र क्रमांक एफ 12-2/2014/सात/सा.2 ए भोपाल दिनांक 12 नवम्बर 2014 के द्वारा प्रतिपादित आपसी सहमति से भूमि क्रय नीति के तहत कार्यवाही प्रवलित है। अतएवं निम्न वर्णित भूमि धारकों से परियोजना के लिये राज्य सरकार से संबंधित विभाग/ उपक्रम में पक्ष में क्रय किये जाने पर विचार किया जा रहा है। यदि किसी व्यक्ति की भूमि की भूमि के स्वत्व के विषय में कोई आपत्ति हो तो वह नियत अवधि (सार्वजनिक सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के भीतर) में आधार सहित प्रस्तुत कर सकता है।

नियत अवधि के पश्चात् प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जावेगा।

:: अनुसूची ::

भूमि का वर्णन

स.क्र.	भूमि स्वामी का नाम	ग्राम का नाम	अर्जित किये जाने वाला खसरा क्र.	कुल रकबा हे. में	अर्जित रकबा हे. में	प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6	7	8
1	प्रेमबाई आ. भैयालाल जाति अहीर निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	312/1/1	0.457	0.060	कार्यपालन यंत्री, जल संसाधन संगाग, रायसेन	टेकापार लघु सिंचाई परियोजना अंतर्गत जलाशय निर्माण
			योग–	0.457	0.060		
2	उमाबाई पत्नि देवीसिंह जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	312/1/2	0.405	0.060		
			योग–	0.405	0.060		
3	दीपेन्द्र कुमार आ. राजेन्द्र कुमार जाति जैन निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	312/2	0.405	0.285		
			योग–	0.405	0.285		
4	रानसिंह आ. राजाराम जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	43	0.255	0.255		
			44	1.547	1.547		
			योग–	1.802	1.802		
5	नंदलाल आ. गोटीराम जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	46/1	0.040	0.040		
			46/3	0.287	0.287		
			47/1	0.137	0.137		
			48/1/1	0.279	0.279		
			48/1/3	0.061	0.061		
			योग–	0.804	0.804		
6	कन्हैयालाल आ. गोटीराम जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	46/2	0.287	0.287		
			47/2	0.137	0.137		
			48/1/2	0.153	0.153		
			योग–	0.577	0.577		
7	जमनाप्रसाद आ. गोटीराम जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	46/4	0.080	0.080		
			योग–	0.080	0.080		
8	प्रेमनारायण आ. रतनसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	49	0.198	0.040		
			योग–	0.198	0.040		
9	गनपतसिंह आ. राजाराम जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	40/1	0.721	0.561		
			योग–	0.721	0.561		
10	वीरसिंह आ. राजाराम जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	40/2	0.725	0.561		
			योग–	0.725	0.561		
11	शैतानसिंह ना.बा.आ. भगवानसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	42/1/2	0.809	0.100		
			योग–	0.809	0.100		
12	राजकुमारी पत्नि गुमानसिंह जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	53	0.514	0.514		
			54	1.108	1.108		
			55	0.733	0.733		
			56	0.210	0.210		
			योग–	2.565	2.565		
13	घनराज आ. मानकलाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	70, 71/2/1	0.729	0.729		
			72/1	0.020	0.020		
			76/3	0.136	0.136		
			291/2/1/3	0.178	0.178		
			योग–	1.063	1.063		
14	शिवप्रसाद आ. बालाप्रसाद जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	292/2	0.405	0.405		
			294/1/1/1	0.772	0.772		
			योग–	1.177	1.177		
15	कमलसिंह आ. पन्नालाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	293/2	0.405	0.405		
			294/2/2	0.405	0.405		
			योग–	0.810	0.810		
16	ज्ञानसिंह आ. पन्नालाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	296/1	0.190	0.190		
			297/1	0.178	0.178		
			योग–	0.368	0.368		
17	भगवानसिंह आ. पन्नालाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	296/2	0.190	0.190		
			297/2	0.178	0.178		
			योग–	0.368	0.368		
18	शिवनारायण आ. पन्नालाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	296/3	0.190	0.190		
			297/3	0.178	0.178		
			303/1/1	0.360	0.360		
			303/2	1.432	1.432		
			योग–	2.160	2.160		
19	दलीप सिंह आ. पन्नालाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	42/1/1	0.405	0.405		
			297/4	0.340	0.340		
			303/1/2	1.428	1.428		
			505/293	0.210	0.210		
			506/293	0.162	0.162		
			501/239	0.445	0.445		
			योग–	2.990	2.990		
20	लालसिंह आ. नबलसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	299/1	2.023	2.023		
			योग–	2.023	2.023		
21	परसोत्तम आ. गोटीराम जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	299/2	0.421	0.421		
			योग–	0.421	0.421		
22	रामेश्वर आ. खिलानसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	292/1/2	0.037	0.037		
			293/1	0.635	0.635		
			295	0.097	0.097		
			305/1	0.218	0.218		
			योग–	0.987	0.987		

स.क्र.	भूमि स्वामी का नाम	ग्राम का नाम	अर्जित किये जाने वाला खसरा क्र.	कुल रकबा हे. में	अर्जित रकबा हे. में	प्राधिकृत अधिकारी	सार्वजनिक प्रयोजन का वर्णन
1	2	3	4	5	6	7	8
23	देवीसिंह आ. गजराजसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	301/2	0.077	0.077		
			302/2	0.214	0.214		
			323/2	0.782	0.782		
			483/324/2	0.365	0.365		
			योग–	1.438	1.438		
24	ग्याबाई बेवा बालाप्रसाद, शिवप्रसाद आ. बालाप्रसाद जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	305/2/1, 306/1/1	1.942	1.942		
			योग–	1.942	1.942		
25	चंद्रभानशाह आ. छोटेलाल जाति गौड़ निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	305/2/2, 306/1/1	0.405	0.405		
			योग–	0.405	0.405		
26	छोटे लाल पुत्र धनराजसिंह जाति गौड निo पिपलिया कलां रायसेन, म0प्र0, भू0 स्वा0	पिपलियाकलाँ	321/2	0.664	0.200		
			योग–	0.664	0.200		
27	धरमेन्द्र आ. केशरप्रसाद जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	311/1	1.371	1.000		
			योग–	1.371	1.000		
28	रामप्रसाद आ. मिहीलाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	318	0.777	0.500		
			योग–	0.777	0.500		
29	रामनाथ आ. हल्के जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	319	0.825	0.200		
			योग–	0.825	0.200		
30	कमलेश आ. गजराज जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	330/1	0.782	0.782		
			483/324/3	0.358	0.358		
			योग–	1.140	1.140		
31	कृष्ण कुमार आ. प्रेमनारायण जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	324-325	2.217	2.217		
			योग–	2.217	2.217		
32	हीराबाई, शीलाबाई, मुन्नीबाई आ. शेरसिंह, अवधरानी बेवा आ. शेरसिंह जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	334/2, 335, 336	0.302	0.302		
			योग–	0.302	0.302		
33	देवीसिंह आ. रामचरण जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	337/1	0.963	0.703		
			338/1	0.261	0.261		
			योग–	1.224	0.964		
34	राजाराम, हरिनारायण आ. शेरसिंह जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	330/1	0.328	0.328		
			331/1, 332	1.011	1.011		
			योग–	1.339	1.339		
35	माखनसिंह आ. कन्छेदी जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	334/1/1, 335, 336	0.607	0.607		
			योग–	0.607	0.607		
36	अमरसिंह आ. रामचरण जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	337/2	0.963	0.703		
			338/2	0.264	0.264		
			योग–	1.227	0.967		
37	हनुमतसिंह आ. रामचरण जाति यादव निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	337/3	0.810	0.750		
			338/3	0.418	0.218		
			योग–	1.228	0.968		
38	भूपेन्द्रसिंह ना.बा.आ. प्रेमनारायण जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	507/299/1	0.498	0.498		
			योग–	0.498	0.498		
39	राहुल कुमार आ. कृष्ण कुमार जाति जैन निवासी सियरमउ भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	291/2/2	0.575	0.575		
			291/1	1.295	1.295		
			48/2	0.898	0.898		
			64	0.462	0.462		
			योग–	3.230	3.230		
40	श्रेयांस कुमार आ. राजकुमार जाति जैन निवासी सियरमउ भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	39/2	0.360	0.360		
			योग–	0.360	0.360		
41	महादेवलाल, बिहारीलाल आ. चूड़ामन शाह, दद्दाबाई आ. चूड़ामन शाह जाति गौड़ निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	51	0.615	0.615		
			57	0.498	0.498		
			58/1	0.639	0.639		
			62	0.081	0.081		
			योग–	1.833	1.833		
42	राकेश आ. मानकलाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	70-71/3	0.161	0.161		
			72/2	0.384	0.384		
			73/1	0.040	0.040		
			76/2	0.161	0.061		
			77/2	0.082	0.062		
			291/2/1/2	0.182	0.182		
			योग–	1.010	0.890		
43	धानसिंह आ. मानकलाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	72/3	0.041	0.041		
			73/2	0.073	0.073		
			74	0.210	0.210		
			75	0.089	0.089		
			76/1	0.331	0.100		
			291/2/1/1	0.186	0.186		
			योग–	0.930	0.699		
44	शंकरलाल, रामप्रसाद, रामकलीबाई, भूरीबाई, गुड्डीबाई, मुन्नीबाई आ. घनश्याम जाति गौड़ निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	50/1	1.048	1.048		
			योग–	1.048	1.048		
45	मेहताबसिंह आ. जालमसिंह जाति चड़ार निवासी ग्राम भूमि स्वामी सेवा खातेदार	पिपलियाकलाँ	50/2	2.194	2.194		
			304	0.539	0.539		
			योग–	2.733	2.733		
46	तुलसाबाई बेवा लखनलाल, देवेन्द्रसिंह, भोजराज आ. लखनलाल जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	67	0.089	0.089		
			68	0.198	0.198		
			70-71/1	0.809	0.809		
			70-71/2/1	0.106	0.106		
			291/2/1/4	0.178	0.178		
			योग–	1.380	1.380		
47	प्रेम बाई बेवा साहसवाल बसंत पृथ्वीराज रामबाबू नारायण साह रजनी अनीता सविता आ0 साहसवाल जाति राजगोड़ नि0 पिपलिया कलां रायसेन, म0प्र0, भू0 स्वा0	पिपलियाकलाँ	322	0.437	0.100		
			326	1.404	1.404		
			योग–	1.841	1.504		
48	रामरतन आ. लालसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	288/1/1	0.575	0.300		
			योग–	0.575	0.300		
49	गोविन्दसिंह आ. लालसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	288/1/2	0.575	0.246		
			योग–	0.575	0.246		
50	हुकमसिंह आ. लालसिंह जाति लोधी निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	288/1/3	0.064	0.064		
			योग–	0.064	0.064		
51	राजेन्द्र कुमार आ. मोहनलाल जाति जैन निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	288/2	0.995	0.095		
			289	1.570	1.570		
			योग–	2.565	1.665		
52	कुष्ण कुमार आ. कन्हैयालाल जाति साहू निवासी ग्राम भूमि स्वामी	पिपलियाकलाँ	292/1/1	0.177	0.177		
			294/1/1/2	0.405	0.405		
			294/1/2	0.405	0.405		
			294/2/1/1	1.051	1.051		
			294/2/1/2	0.430	0.430		
			योग–	2.468	2.468		
			महायोग–	59.731	52.969		

नोट :– भूमि का नक्शा भू-अर्जन अधिकारी सिलवानी जिला रायसेन के कार्यालय में कार्यालयीन दिवस एवं समय में देखा एवं पढ़ा जा सकता है

G22504/25

सक्षम प्रधिकारी (भू अर्जन)
एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व)
अनुविभाग सिलवानी, जिला- रायसेन

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर ने जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का किया निराकरण

रायसेन। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा द्वारा नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई कर उनका निराकरण किया गया। कलेक्टर श्री विश्वकर्मा ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा कर निराकरण किया। कुछ प्रकरणों में उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही कर निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में अपर कलेक्टर श्री मनोज कुमार उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर तथा जिला अधिकारी उपस्थित रहे। अनुभागों से एसडीएम, जनपद सीईओ, सीएमओ सहित अन्य अधिकारी वीडियो कॉफ्रेंस के माध्यम से जनसुनवाई में उपस्थित रहे।

एनआईसी के वरिष्ठ अधिकारियों का विदिशा जिला केंद्र का निरीक्षण

विदिशा। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने सोमवार को जिला केंद्र विदिशा का निरीक्षण कर जिले में संचालित विभिन्न डिजिटल सेवाओं एवं ई-गवर्नेंस परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की। उप महानिदेशक एवं राज्य समन्वयक, एनआईसी मध्यप्रदेश श्री श्यामसुन्दर अपने राज्य भ्रमण कार्यक्रम के अंतर्गत अपराह्न विदिशा पहुँचे। उनके साथ उप महानिदेशक एवं राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री कमलेश जोशी तथा अतिरिक्त राज्य सूचना-विज्ञान अधिकारी श्री वी.एन.गुर्जर भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने जिले में एनआईसी द्वारा क्रियान्वित डिजिटल सेवाओं, विभागीय पोर्टलों, तकनीकी सहायता, डाटा प्रबंधन, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर एवं नागरिक सेवाओं से जुड़े विभिन्न प्रोजेक्टों की वर्तमान स्थिति का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य प्रगति, उपयोगिता, नवाचार एवं भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा की। जिला सूचना विज्ञान अधिकारी श्री देवेंद्र राजपूत ने जिले में लागू की जा रहीं ई-गवर्नेंस पहलें, विभागीय कंप्यूटराइजेशन, सर्वर एवं नेटवर्क प्रबंधन, साइबर सुरक्षा से संबंधित गतिविधियों तथा विभिन्न विभागों को उपलब्ध कराई जा रही तकनीकी सहायता की विस्तृत प्रस्तुति दी। साथ ही जिलास्तर पर विकसित स्थानीय अनुप्रयोगों एवं डेटा प्रबंधन प्रणालियों की जानकारी भी दी गई। वरिष्ठ अधिकारियों ने जिले में डिजिटल सेवाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए बेहतर सेवा प्रदायगी हेतु आवश्यक तकनीकी सुधारों और नवाचारों को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एनआईसी का उद्देश्य नागरिकों को अधिक पारदर्शी, सुगम और त्वरित सेवाएँ उपलब्ध कराना है, जिसके लिए आईटी आधारित समाधान महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। निरीक्षण के दौरान जिला केंद्र की तकनीकी व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया तथा अधिकारियों और तकनीकी टीम से विस्तृत चर्चा की गई।

लाडली बहन योजना से महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही

विदिशा। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना लाडली बहनों की जिंदगी बदल रही है। विदिशा जिले की लाडली बहनाएं इस योजना अंतर्गत प्रतिमाह 15 सौ रुपए की राशि मिलने पर धन्यवाद ज्ञापित कर रही हैं। ऐसी ही एक कहानी है विदिशा की लाडली बहना श्रीमती शारदा रजक की। उन्होंने बताया कि इस योजना में उन्हें प्रतिमाह सहायता राशि उनके बैंक खाते में प्राप्त होती है। अब यह राशि 1500 रुपये हो गई है जो उन्हें प्रतिमाह मिल रही है। मंगलवार 9 दिसंबर को मुख्यमंत्री जी ने इस योजना तहत 1500 की राशि का अंतरण किया है जिससे खुश होकर लाडली बहना श्रीमती शारदा रजक ने मुख्यमंत्री जी का आभार माना है। उन्होंने बताया कि इस योजना तहत 1500 रुपये मिलने से उनके स्वयं के खर्चों में बहुत सहयोग मिल पा रहा है। घर के छोटे-छोटे खर्चों में इस राशि के उपयोग से उन्हें बहुत सहायता हो जाती है।

स्वरोजगार योजनाओं के हितलाभ किए गए वितरित

जिला स्तरीय युवा संगम मेला में विभिन्न कम्पनियों द्वारा युवाओं का किया गया चयन

रायसेन ■ निसं

जिले के बेरोजगार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए बेगमगंज स्थित जनपद पंचायत प्रांगण में जिला स्तरीय युवा संगम मेले का आयोजन किया गया।

जिसका शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष संदीप लोधी द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय जनप्रतिनिधि और अधिकारी भी उपस्थित रहे। जिला प्रषासन के मार्गदर्षन में जिला रोजगार कार्यालय, जिला व्यापार उद्योग केन्द्र, ग्रामीण आजीविका मिषन, जिला पंचायत एवं शासकीय आईटीआई के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस युवा संगम कार्यक्रम में विभिन्न प्रतिष्ठित कम्पनियों द्वारा सहभागिता की गई तथा कम्पनियों द्वारा उनके मापदण्ड अनुसार युवाओं का साक्षात्कार के माध्यम से चयन किया गया।

इसके साथ ही शासन की विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत बैंको के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को स्वरोजगार हेतु ऋण उपलब्ध कराया गया। युवा संगम मेले में 355 युवाओं का पंजीयन किया गया। इन पंजीकृत युवाओं में से 9 कम्पनियों शिवशक्ति एग्रीटेंक द्वारा 39 युवाओं, समर्थन ग्रुप द्वारा 13 युवाओं ,पुखराज हेल्थकेयर द्वारा 37 युवाओं, नवभारत फर्टिलाइजर द्वारा 07 युवाओं, एनआईआईटी द्वारा 04 युवाओं, आरसेटी द्वारा 14 युवाओं, माइड्रेट स्पोर्ट द्वारा 25 युवाओं, सागर ग्रुप मेन्युफेक्चिरिंग द्वारा 12 युवाओं एवं यशस्वी ग्रुप द्वारा 86 युवाओं इस प्रकार कुल 237 बेरोजगार युवा-युवतियों का चयन किया है। युवा संगम मेले में एसडीएम बेगमगंज सौरभ मिश्रा महाप्रबंधक आषुतोष गुप्ता, जिला रोजगार अधिकारी एबी खान सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

एसपी ने मालिकों को लौटाए मोबाईल, कहा

पुलिस ने 10 लाख के 76 मोबाइल बरामद किए

रायसेन ■ निसं

रायसेन पुलिस ने 'ऑपरेशन ख्व PhoneÓ के तहत 76 गुमशुदा मोबाइल फोन बरामद किए हैं। इनकी कीमत करीब 10 लाख रुपए बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष गुप्ता ने मंगलवार शाम 5 बजे पुलिस कंट्रोल रूम में इन मोबाइलों को उनके मालिकों को सौंपा। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों ने पुलिस का धन्यवाद किया।

एसपी गुप्ता ने बताया कि सीईआईआर पोर्टल पर मिली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिले के सभी थानों को मोबाइल खोजने के निर्देश दिए। इसके लिए एक विशेष टीम का गठन भी किया गया।

पिछले एक महीने में मिली सफलता: पिछले एक माह में पुलिस ने जिले के भीतर और बाहर से इन 76 मोबाइल फोन को बरामद किया। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से कहा कि यदि उनका मोबाइल खो जाए, तो तुरंत सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, ताकि त्वरित कार्रवाई हो सके।

नजूल निर्वतन समिति की बैठक कलेक्टर विश्वकर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न

रायसेन ■ निसं

जिले में शासकीय विभागों एवं उपक्रमों को विकास कार्यो के लिए भूमि आवंटित किए जाने हेतु कलेक्टर अरूण कुमार विश्वकर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला नजूल निर्वतन समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में अनुविभागवार भूमि आवंटन संबंधित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक में कस्बा बेगमगंज स्थित भूमि खसरा नम्बर 233 रकबा 1.174 हैक्टेयर में से लिक्विड वेस्ट मेनेजमेंट प्रोजेक्टर फॉर एसटीपी कंस्ट्रक्शन हेतु मप्र शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के नाम 2500 वर्गमीटर भूमि हस्तांतरित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार कस्बा उदयपुरा स्थित भूमि खसरा नम्बर 14 रकबा 1.032 हेक्टेयर में से लिक्विड वेस्ट मेनेजमेंट परियोजना के लिए मप्र शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग को दो हजार वर्गमीटर भूमि हस्तांतरित किए जाने और उदयपुरा कस्बा में ही खसरा क्रमांक 326 रकबा 0.567 हेक्टेयर भूमि में से मीट मार्केट हेतु नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के नाम 0.111 हेक्टेयर भूमि हस्तांतरित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में अपर कलेक्टर मनोज उपाध्याय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे आज

विदिशा। आगामी 13 दिसम्बर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए जिला न्यायालय विदिशा द्वारा विशेष प्रचार-प्रसार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, द्वारा 10 दिसम्बर को प्रात: 10:30 बजे जिला न्यायालय परिसर से प्रचार-प्रसार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। प्रचार अभियान के माध्यम से जिलेभर में आमजन को नेशनल लोक अदालत के महत्व, मामलों के नि:शुल्क व त्वरित निपटान, सौहार्दपूर्ण समझौते तथा न्यायालयीन समाधान के लाभों से अवगत कराने के उद्देश्य से संचालित किया जा रहा है।जिला न्यायालय प्रशासन ने संबंधित अधिकारियों, अधिवक्ताओं तथा मिडिया कर्मियों सहित आमजनों को इस कार्यक्रम में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

---

18 वर्षीय युवती ने किया सुसाइड

पाइप से चादर बांधकर लगाई थी फांसी, पुलिस बोली आत्महत्या का कारण अज्ञात

रायसेन ■ निसं

रायसेन जिले के सलामतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बसिया टापरा में मंगलवार को एक 18 वर्षीय युवती ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवती की पहचान जमुना सहरिया के रूप में हुई है। घटना सुबह करीब 11 बजे की बताई जा रही है, हालांकि आत्महत्या के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है।

जानकारी के अनुसार, जब पड़ोस की एक बच्ची घर के अंदर गई, तो उसने युवती को फांसी पर लटका देखा और चीखते हुए बाहर आ गई। शोर सुनकर परिजन घर के अंदर पहुंचे, जहां जमुना घर की चादर के पाइप से फांसी पर झूलती मिली। परिजन तत्काल उसे दीवानगंज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सूचना मिलने पर दीवानगंज चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा बनाकर मर्ग कायम किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सांची सिविल अस्पताल भेजा। मृतका जमुना सहरिया (उम्र 18 वर्ष) स्वर्गीय धारू सिंह सहरिया की पुत्री थी और बसिया टापरा की निवासी थी। मामले की रिपोर्ट उसके भाई प्रहलाद सिंह सहरिया ने दर्ज कराई है।

चौकी प्रभारी सुनील शर्मा ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मृत्यु के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

ओखलीखेड़ा गांव में सहरिया समुदाय के 50 परिवारों को मिलेगी सड़क सुविधा

सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर जिला प्रशासन का आभार व्यक्त करने पहुंचे सहरिया नागरिक

रायसेन ■ निसं

गांव की पक्की सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाने पर सिरोंज तहसील की ग्राम पंचायत दामोदरखेड़ी के ग्राम ओखलीखेड़ा में रहने वाले सहरिया समुदाय के नागरिकों ने जिला मुख्यालय पहुंचकर जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया है। ग्राम ओखली खेड़ा के श्री नईम खान के साथ श्री अमर सिंह सहरिया, अशोक वाल्मीकि, खुमान सिंह सहरिया और दरियाब सिंह अहिरवार ने कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुंचकर जिला प्रशासन का आभार व्यक्त किया है। जिला प्रशासन का धन्यवाद देने पहुंचे सहरिया समुदाय के नागरिकों ने बताया कि उनके गांव ओखलीखेड़ा में रोड से आधा किलोमीटर की दूरी पर सहरिया समुदाय के 50 घर हैं।

इस बस्ती से ग्राम धरमपुर और कोरबासा जाने का रास्ता एवं रोड से आदिवासी बस्ती का जो रास्ता है वह रोड से बस्ती तक जाने के लिए बरसात के समय में अत्यधिक कीचड़ युक्त होता था। घुटने-घुटने तक कीचड़ होती थी जिसके कारण इस बस्ती के बच्चे, महिलाएं और वृद्धजनों को दूसरे गांव में आने-जाने व बीमारी के समय मरीजों व गर्भवती माताओं को लाने ले जाने में बड़ी परेशानियां होती थी। इस मामले को जब जिला प्रशासन और कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के संज्ञान में लाया गया तो कलेक्टर श्री गुप्ता ने इस मामले को त्वरित संज्ञान में लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश देकर आवश्यक कार्यवाही पूरी कराई इसके उपरांत इस गांव में सड़क का निर्माण कार्य प्रारंभ हो गया है।

डिजिटल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर बढ़ाने पर दिया गया विशेष ध्यान

शिक्षकों की डिजिटल क्षमता के लिये प्रदान किये गये टैबलेट

रायसेन ■ निसं

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षा के क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने के लिये शिक्षकों को डिजिटल उपकरण प्रदान कर सक्षम बनाया है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में डिजिटल टेक्नोलॉजी के विकास और स्कूल के सभी स्तरों पर प्रौद्योगिकी के उभरते हुए भविष्य को देखते हुए डिजिटल इन्फ्रॉस्ट्रक्चर, ऑनलाइन शिक्षण मंच और उपकरणों की उपलब्धता की सिफारिश की गयी है। प्रदेश में प्राथमिक एवं माध्यमिक शासकीय विद्यालयों के 2 लाख 43 हजार शिक्षकों को टैबलेट प्रदान किये गये हैं। विभाग ने सरकारी हाई स्कूल और हायर सेकेण्डरी स्कूलों के 44 हजार शिक्षकों को भी टैबलेट उपलब्ध कराये हैं। शिक्षक इन टैबलेट का उपयोग बच्चों की शिक्षण व्यवस्था में कर रहे हैं।

रोबोटिक्स लैब: विभाग ने प्रदेश के 52 सांदीपनि विद्यालयों में रोबोटिक्स लैब स्थापित किये हैं। इस वर्ष विभाग ने 458 पीएमश्री स्कूलों में अटल टिकरिंग लैब विकसित की हैं। राज्य के 100 प्रतिशत जनशिक्षा केन्द्र, जिनकी संख्या 3063 है, उन केन्द्रों में हाई परफार्मेंस पीसी प्रिंटर और यूपीएस की उपलब्धता सुनिश्चित की है।

कलेक्टर ने किया औचक निरीक्षण

आरसेटी विदिशा में मशरूम खेती प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ

विदिशा ■ निसं

जिला ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान विदिशा में सोमवार से मशरूम की खेती का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। कार्यक्रम के पहले ही दिन कलेक्टर अंशुल गुप्ता तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया लीड बैंक अधिकारी बीएस बघेल एवं अन्य अधिकारियों ने संस्थान का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर गुप्ता ने प्रशिक्षण कक्ष में पहुँचकर उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों से एक-एक कर सवाल-जवाब किए तथा उनकी समझ, रुचि एवं भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्रतिभागियों को इस प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ लेने और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने हेतु प्रेरित किया। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आरसेटी प्रबंधन को निर्देश दिए कि जिले के युवाओं और ग्रामीणजनों को अधिक से अधिक रोजगारोन्मुखी कौशल उपलब्ध कराने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संख्या बढ़ाई जाए और प्रशिक्षण की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए। डायरेक्टर ऋस्श्वज्ञ्र्द्ध विदिशा द्वारा अधिकारियों को संपूर्ण प्रशिक्षण प्रक्रिया, उपलब्ध संसाधनों और आगामी प्रशिक्षण योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। ग्रामीण युवाओं को मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राजस्व विभाग की पाक्षिक वीडियो कॉन्फ्रेंस 10 को आयोजित

विदिशा। राजस्व विभाग की पाक्षिक वीडियो कॉन्फ्रेंस का आयोजन राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव की अध्यक्षता में 10 दिसम्बर को दोपहर 12:30 बजे से किया गया है। इस महत्वपूर्ण बैठक में प्रदेशभर के राजस्व अधिकारी ऑनलाइन माध्यम से सहभागी होंगे। वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रमुख सचिव द्वारा विभागीय कार्यों की प्रगति, समस्याओं एवं आगामी रणनीतियों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। बैठक के लिए निर्धारित प्रमुख एजेंडा बिंदु इस प्रकार हैं, फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति से संबंधित कार्य, राजस्व वसूली की समीक्षा, राजस्व न्यायालय एवं कार्यपालिक दण्डाधिकारी से जुड़े प्रकरण ,सी.एम. मॉनिटरिंग से संबंधित लंबित बिंदु, लंबित ऑडिट कण्डिकाओं का निराकरण इत्यादि शामिल है। विभाग द्वारा प्रत्येक पखवाड़े में यह समीक्षा बैठक आयोजित की जाती है।

जिला जेल विदिशा का निरीक्षण, विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन

रायसेन ■ निसं

राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के दिशा-निर्देश में आज प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष शेख सलीम के नेतृत्व में जिला जेल (पुरुष एवं महिला) विदिशा का निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण दल में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रमाकांत भारके, न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितेंद्र सिंह तोमर, लीगल एड डिफेंस काउंसिल अनिमेष तिवारी, विनोद कुशवाह तथा पैरालीगल वॉलंटियर्स शामिल रहे। निरीक्षण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सलीम ने बंदियों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएँ सुनीं। कुछ मुद्दों का तुरंत समाधान किया गया, जबकि शेष समस्याओं के निराकरण हेतु जेल अधीक्षक को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बंदियों के स्वास्थ्य, उपचार, सुविधाओं एवं व्यवहार संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी भी ली। निरीक्षण के पश्चात रसोईघर, वी.सी. रूम एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया गया। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रमाकांत भारके ने निरीक्षण के दौरान यह सुनिश्चित किया कि सभी बंदियों को अधिवक्ता उपलब्ध हैं या नहीं। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देशित किया कि जिन बंदियों के पास वकील नहीं है, उनके लिए अधिवक्ता नियुक्त किए जाने संबंधी आवेदन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को भेजे जाएँ, ताकि उन्हें समय पर विधिक सहायता मिल सके। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, नितेंद्र सिंह तोमर ने भी बंदियों से चर्चा कर उनकी परेशानियों को सुना तथा कई मुद्दों का मौके पर ही निराकरण कराया। उन्होंने बंदियों को मिलने वाले भोजन एवं आवश्यक सामग्री की गुणवत्ता और उपलब्धता का भी निरीक्षण किया। इस दौरान बंदियों के लिए विधिक जागरूकता शिविर भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्हें उनके विधिक अधिकारों, नि:शुल्क कानूनी सहायता और न्यायिक प्रक्रियाओं को सरल भाषा में समझाया गया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा आर.टी.ओ. ऑफिस के पास, सागर रोड, रायसेन से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। : संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436, 9826735596. व्यवस्थापक: श्याम अग्रवाल, भोपाल कार्यालय : 4240007. फैक्स:0755-4296195 (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।